

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowish-brown parchment. The first line is partially obscured by a red mark on the left margin. The script is dense and flowing, with many ligatures.

Continuation of the handwritten text. The script remains consistent, showing a high level of fluency in the writing. The parchment shows signs of wear and discoloration.

Further lines of the handwritten text. The script is consistent throughout, with some variations in ink density and parchment texture. The text is written in a single column, filling most of the page width.

The final lines of the handwritten text on this page. The script continues to the bottom of the page, with some fading and wear visible. The parchment is heavily textured and shows significant aging.

महादेव नारायण गुरु सदाशिवजी सायबजी

हरे कृष्ण हरे

महोददे

महो राम राम राम हरे हरे कल
हरे कल हरे राम हरे कल हरे कल
कल राम कल राम कल राम कल
कल राम कल राम कल राम कल
राम सीता राम राम राम राम राम
राम राम राम सीता राम राम राम राम राम
राम राम राम सीता राम राम राम राम राम

ASHA ARCHIVES
2748

२
द वती है इसी लीये इस
का दाम बताना कम रखा
सके वीसे बसु मीता ये है
कीन मो देने आध ही
आना से गहक बनाकर वा
त कय द मे म स्या ग ॥

प्रथम प्रस्ताव वी धन वी
दा न र नीर द व र कारणा व द
वी का स व र दे न रु ना ठ वी स
द व नी व धी वी सा स ॥ १
युग ल य र न सो व ता ज ग
न ज व त र न दी त तो ही
न ज मा ल सर सती यु की
उ की दे मा ही ॥ २ ॥

रत के आन द मे ज व श्री कृष्ण
ह प्र व त वा स पु व तो मा

ज ग ह स त ना पु र का
व री त म ला य ग

और राजा व द त जे पु

राजा क ने व क दी न क

राजा व री त के

वां दे स की व क

मे म स्या ग

ते है तीन के र

क शु द मा र ता

प ह वे त व नु ला य द

य नु म अ रे व को न दे

आ व ना मा रा तो है गाय ओ

क्या अ र्जु न को तो ने दुर ती स

उ स का ध नु मा प प द के क त

ये सा की न के स द म त ने ग

इ त ना वा द ने ला त व द दे

की र वा प ती ने नी क व

है मु ते उ क क

रा ओ र की म

हो य स नी क द

द ते की सी का

न

॥ ६८६ ॥ ग व नी है ओ
 र मे ... म है वर
 न का ५ ६८६ ता हां तप सु तप
 ६८६ और हो व स त पु ग मे
 मे रे वर ता बीस बीस्ये थे वे
 त मे स्व त है हा पर मे वर हे
 म व क नी पु ग मे चार बीस्ये
 ६८६ ई स ती क नी के वी च ल
 व ल न ही सु क ता चार ती को
 व म्मा का ता मु म्म मे भी
 पु ग मे रहा न ही जा ता को
 राजा हो म्मी क म्म व
 ६८६ कर मे ती न का को
 म्मी ई स म य
 ती ह म्म लु न
 ती के व क र क
 म्मी के क र ता
 ६८६ म्मी के चर हो
 म्मी म्मी व क र ने पु
 म्मी ना म्मी म्मी म्मी म्मी
 म्मी म्मी म्मी म्मी म्मी
 म्मी म्मी म्मी म्मी म्मी

न का ल और चार पु
 ग जो प्र ह्मा ने बना ये है
 सी की सी मां ती मे ले न म्मी ते
 म्मी ई त ना व व न लु नी ते ही
 राजा वर ती जी त ने क नी पु ग मे
 क हां की तु म्मी त न्नी और मे र
 ही गु ये म्मी म्मी म्मी हा थ
 व ल मे व ही त्या चो री
 और स्व न मे प ह लु न क
 ती ने तो म्मी प ने स्थान को प्र
 स्थान की और राजा ने
 धर्म को म्मी मे र क व नी
 या पृथ्वी म्मी ने ठ व ने भी
 ल ग ई राजा क र न म्मी म्मी
 या और धर्म राजा क
 र ने ल गे क र ने लु क री
 न वी ते राजा की र प क स
 म य म्मी वेत को म्मी
 और व ल ते
 व ल ते म्मी म्मी म्मी
 म्मी म्मी म्मी म्मी म्मी

हसाही भाई सख पना
 श्रीसद सा राजा को आता
 नकीया राजा आसके मारे
 न सा आते है की जा हां लो
 मास मूखी आसन मारे नेहा
 देहा का धरा न हागाय ल
 पना रहें ये धीने देव
 परी हात मन मे क हुने हा
 की जहे आप ने त कहे धन
 यद से मु के देख आन म
 दर है रसी कु का त ज न
 क मरा सा ज व हां य द व हो
 म नु म हो उ ठा मू खी के ना
 मे रा ह अप ने धर आये मु
 कु टु तार ते ही रा जा को
 जान लु आ लो हो व क र
 क ह ने हागा की न मे क
 पु ग का वास है य है मे
 र ही रा पर धाई स से मे
 मे रिय सी ह म ती हु ई जो
 मरा सु र ले मू खी के ग
 ल मे रा ल दीय सो ने म

गु की क ली...
 श्रीसद सा राजा को आता
 नकीया राजा आसके मारे
 न सा आते है की जा हां लो
 मास मूखी आसन मारे नेहा
 देहा का धरा न हागाय ल
 पना रहें ये धीने देव
 परी हात मन मे क हुने हा
 की जहे आप ने त कहे धन
 यद से मु के देख आन म
 दर है रसी कु का त ज न
 क मरा सा ज व हां य द व हो
 म नु म हो उ ठा मू खी के ना
 मे रा ह अप ने धर आये मु
 कु टु तार ते ही रा जा को
 जान लु आ लो हो व क र
 क ह ने हागा की न मे क
 पु ग का वास है य है मे
 र ही रा पर धाई स से मे
 मे रिय सी ह म ती हु ई जो
 मरा सु र ले मू खी के ग
 ल मे रा ल दीय सो ने म

हारे पीतल के काय थ मे द
 ल ग व ह स न ते ही अ
 कुमि र धी के तै न ल ल हो
 आय दा त व स जी स ने ला
 गा अर ध र का प ने और
 शो व कर क ह ने लगा नी
 क ल मु मे रा ज उ प नी है
 अ नी मं नी धं न के म द से
 अ म्मे हो ग य है दु ह य दा य
 अ व मै उ ल के दु ह रा प
 न ही म चि प वी गा अ प ह
 न क ह अ दुी न न ब नि नौ
 नी की न दी का उ ल न ह
 मे ले रा जा प री दू ति की
 अ प दी या की त र दू क स
 नी न तु मे तु
 र ह मा ती रा जा
 के शा प दे अ प ने का प के
 पा स अ ग ले से सा प नी का
 ल क ह ने ल गा है नी ता त
 स अ प नी दे सं स मा लौ
 मो ने उ से सा प दी या है नी

स ने अ प के ग ल मे म र र
 व ह ल था य ह व व न सु न
 के ही ले म स अ न धी नौ
 हो न न उ भा ह अ प ने धा
 नी चार कर क ह और
 पु व तु ने य हे का नी या की
 शा प रा जा को दी या है स के
 राज मे ल म लु वी ने को
 ई प स प नी भी दु ह वी न
 धा य स ध नी रा जा थि य
 की गि मे ल हि गा य म सा
 ध ग ये ह र ते और
 अ प स ने कु ह न क ह ते
 हे पु पु ग नि के दे मे हा म
 व से क्या ह न ती न के हे से
 म रा ह न स र् व दा ल था
 उ से सा प की दी या र ल
 न न दो अ प ये सा शा प
 ते ने दी या कु ह नी न र म न
 मे न ही नी या ग रा यो
 दा और गु ला ही नी या सा
 धु को वा ही प री ल स ल
 न से रे हे अ प कु ह न क ह

६
 ओ
 गु
 दे
 धि
 को
 ता के
 त म
 दी य
 दो
 सा
 व
 ब
 वे
 दी
 अ
 दी य
 दो
 ना
 की
 राजा
 हा य
 मु म

और की सुनने सबका
 गुन लेले और गुन तडा
 दे इतना कह लो मत न
 भीने एक चले को पुला
 को काह तुम राजा परी जी
 ताके पास जाके चीता दो जो
 त न्हे अहुी नृ बने पास
 दीया है: माला लो गतो
 दो बदे हीगे पर बह सुन
 सावधान ता हो पई त ना
 व वन गुरु का मान चेला
 बला व हा आया जा हा राजा
 वै जो स्व व करता था आते
 ही काहा मा सारा जा तुम्हे
 अहुी नृ बने महा पास
 दीया है की सात रे दीन ता
 दो क द से गा अब तुम आ
 ना का राजा करो जी स से कर्म
 की का सी से दु तो सुन ते ही
 राजा प्र स न ता से वा द हो
 साय जो द कहने लगा की
 मुम पर नृ बने व दी क

वा की जो साय दीया न्हा
 की मो माया मोह के आव
 र हो व सगर मे व युधा
 स्व नी काल का हार किया
 अब मुनी का सीधे वीदा ह
 आ करा जने आ तो वीरा जो
 नथि और जन मत य
 की पुला पर राजा पाच दे क
 र कहा की वेदा गौ प्र ह्ना
 रा मिरा जा की जो और
 प्र जा को सुख दी जो: इ
 न कि ह्ना पर वास देख
 री स की उ दास राजा को
 बते ही रानी ठान पा मी
 पर गिर रोरो कहने लगा
 माहा राजा
 ग ह्मन आवे ला न र स
 के गी इ स से तुम्हारे साथ
 जी दी तो माला राजा वोलें
 सुनो स्तति को उ चीत ह
 की जमि अपने वसी का ध

मंदिर देख करे उ नाम का

धर्म वाचन दाते—

इस नाम का धर्म जनक

तु व श्रीर राजा की

नाथा तज नीर मो दी हो

पना योग हा धर्म की गु

के नीर पर जो ठाई स

न सुने सुना व स हा

य हा कर पद ता य व

द ता य वीन रो य नर

हा श्रीर धा हा स

म वर ज व सु नी यो न सु

ना की रा हा परी जीत श्री

नी कृष्ण के सा प से मर की

पे न ती पर आ वे ठा है त व

व ही बठ मर हा ज का

था य न प रा हर ना र द वी

स्वा मी र्ति वा म दे व य म द

जीत आ दी आ हा सी स

द स र त र श्री आ य श्रीर

आ स न वी च य वां त पां त

वै ठा न आ प ने आ प

ने सा स न के र म ने न अ

ने क भां ती की च र्म ए ज

को सु ना न हा जे : की र्त

न मे राजा की आ हा दे र व

पो थी कां थ में ल यि दी ज

मे र मे च अ सि क दे व

डी भी आ न प द ये उ

न को दे व ते ही जी त ने म

नी वी स व के स व उ ठ

र व दे. श्रीर राजा

प री जी त भी हा थ व ध

र व दी हो वी न ती क क

द ने ल गा कृ पा नी ध न

मु क्त प र व दी दा य की

जो ई स स म य मे री सु ध ली

ई त नी वा त क हा की न

त शु क दे व मु नी भी वे ठे तो

रा जा कृ ष्ण यो हे क ह ने ल

गे मा हा हा शु क दे व जी वा

स जी नो त वि ठे श्रीर

प रा न जी के पो ते ती न को

6

देव मुनी बड़े मुनी
 सो के उठे सो ती उ चीत
 दास का काररा क हो जो
 मे न का सा देह जाय तव
 पर सर मुनी वी ले हे राज
 जीत ने हम व दे बड़े नर
 श्री हे पर ज्ञान मे शु क
 से हो ते ही है इसली
 प सब ने सुव का आदर मा
 न नीया की सी ने इस आस
 पर कीय नीय हे तार न त
 ला है : न्यो की न ब से न
 न म लीया त न ह से उ पा सी
 हो न न वास करते है :

और रा जा ते रा भी
 को ई व न पु य ध ह आ जो
 सु क दे व जी आ ये थे सब
 भर म से उ त म धर्म कर दे
 जित से तु न न म न मे दु
 त न न सा गर पार हो जा :

प्रेम सा गा

पहे व व न सु न रां जा
 वरी जित ने आसु क व जा
 को दय द व न क र धु : मा
 हा रा जा न मे धर्म स न
 न व न के हो की त र ति ती हो क
 म के क द से द त गा - सतु दी
 न से न न न न न न न न न
 आवर के ले न व सा ग ह गा

और

असु क दे न डा को ले न मा
 हा रा जा तु थो दे न न न
 त स म का : मु की तो
 ती है थ क इ म ध री
 ध्या न मे हो से वा टा कु
 को नार द मु नी ने ज्ञान व व
 या : था : यो न
 दो ही ध री मे मु की थो इ
 थो तु मे तो सा ल दी न व
 तु त है जो थ क ची त हो
 न रो ध्या न : तो स व स म
 नो मे अ प ने ही ज्ञान से की

या है यह की का है वास
को न कर ला दुसरे प्रका
यह मुन रा जाने हर
कर मु धा से मह रा जा
स व धर्म स उ त म धर्म
को न सा ता है स्व ने

जि क पा कर कहे : तब
सुक देव जी को ले रा जा जी
से सब धर्म वे धर्म धर्म
व दा है ते से धर्म ने से श्री भा
गवत ज सा हरि भक्त य
है का था सु ना ते है जति
ने है पुरान पुरान ही है कोई
भा गवत के समान : इस
कारन मैं तुम्हें ना रह सक
म सा पुरान सुन ता
है जो ध्यात मुनीने मुम्हें
प्रका या है तु श्रद्धा सम
ते भक्त न दसे चित्त सुन
तब तो रा पति दी त प्रेम
है सुन ने लगे और

सुक देव जी ने म से सुनाने
लगे नौ एक भक्त ज व मु
ने सुना ई त व रा जाने कहा
है दी न लह : आव दा पा कर
श्री कृष्ण व तार की कथा क
ही वे कौ की ह मोरे स हा क
न और कुल पुत्र व
ही है : सुक देव जी को ले रा
जा : तु म ने मुम्हें दा सुख दा
जो ह प्रसन्न पुष्ट : सुनो मैं
प्रसन्न हो कह ता हूं य दु क
ल मैं पह ले भ मान ना म रा
जा थे तीन के पुत्र पृथ्वी
के वीरु रथ वीर के स से न
जनि हो ने नौ धय द पु व थ
जति के प स पाय : उन की स
स्त्री का नाम मरिचा वी के
पल्लव के । और पा व ल
द की घा ती ने व दे पु व वा सु
देव तीन की स्त्री के आ थ मे
ग म मे : श्री कृष्ण व नू जी
ने इन स्त्रीयां ज व वा सु देव
जति उ च ते थे त व देव ना पो

ने सुरपुर में आनन्द के
वाहन बनाय थे: और
सरसें की पाव पु तीये
में सबसे बड़ी कुनती जो
पाय दु को व्या ही: थी:
जिस की कथा महा भरत
गाई है: और
वासुदेव जी बह ले तो तेह
न नरेस की बही हो हीनी
को व्याहा लाय तीसरी
ज व व्याहा संत पानी हु
ई तब मथुरा में कंस की
बहन देव की को व्याहा:
ताहा आकास वा नी मा
ई की ईस लट की के:
आठने गर्भ में कंस का
का ल उपनेगा: यह सुन
कंस ने बहन बह नो ई को
थक धर्म मुद दीया

और श्री कृष्ण ने
बहा ही ज दम लीया ::
इतनी कथा: सनते
ही राजा पारी जीत वो
ले महा राज: कै से कं
सने जन्म लीया कीस

ने उसे महा बर दीया को
ही तसे कृष्ण उवा और
कीर कीस बंधीसे मा बल य हु
ने यह तुम मुं के कहो स म न
य ॐ अरि क देव वो रे
मथुरा पुरी का आहु क नाम राज
तीस के दो बेटे य क का नाम दे
व क दुसरा उग्र सेन कीतने
य क दीन पी दे उग्र सेन ही व
हा का राजा हु आ जिस की
कही रानी बीस का नाम य
नरेवा स्व अती सुन दरी
और पतीवर्ती थी आ
हर स्वा मी की आजा ही मे
य क दीन कय दो से मा ई
ती की आजा ले सरवी स
को साथ ले रख मे व व
मे रे लन को ग ई: ॐ
ध देव जे मे मा ती ना ती के पु
ल फुले सुय सुगन्ध सुहा वनी
मन्द मन्द ठं छि ठं छी पवन बह
सी छी का की ल क मोत करि और
र मोर मी छी मी छी मन भव
ती वेलीया वो ल रहे और

एक वन के नीचे यमुना
 बह रही लहलहे रही थी की
 रानी दुख को देख कर उसे
 उतर कर बली तो अचानक
 एक ओर अकेली गुलाब के आ
 नीक ली। वहा दुमलीक नाम
 क राजसभी संयोगसे आप
 हुवा। वह इसके योवन
 और सुख की दुख दिख
 द कर रहे और मनम
 कहने लगा की इससे भोग
 कीया या दिया। यह था न
 तुनी राजा उर्जसे काख रु
 प वन रानी के खड़ी जावे
 ला की तु मुक्त से मिल। रा
 नी बोल मह राजा : दीनका
 न के ली कर ना पग न
 ही को की इस मे शरि
 और धर्म जाता हो
 क्या नम नही जान ते जो
 यही कुन ती नी नारी है
 जब पवन रेखा न इस भा
 ती कह तवता दुमलीक ने

रानी का : हाथ पकड़ ले च
 लीया : और : जो मनमा
 ना वीकय ई छ ल से भोग क
 र के जैसे था तैसी वन गया
 तव तो रानी असी दुरव पाये
 पद सायकर नो ली आरे ध
 मे पापी चप पाल तुने
 या हा कया अन्धे नीया
 गो मेरे सता रेवा दीया चिको
 रहे तेरे माता पीता

और दिया गुरु को
 जिसने तुम्हें येसी कुधी दी
 तमसा पुर्त जन्मे से तेरी
 मावा मा क्यो न हई १
 अरे दुख जो नरे देह पाकर
 कीसी का संती महु करते है
 स्व जन्म जन्म नरक मे पडते
 है : दुमलीक को लरानी : तुम
 हाथ मत दे तुम्हें मैंने आप
 ना धर्म का कल दिया है ते
 री कोख वन्ध देख मोर मने
 वही चीनरा थी : भोगई आ
 गसे हुई ग्रम की आस लद का
 होगा दस वें मास : और मे
 री देह के सुभाव से तेरा पुत्र नैव
 पद पृथी का तो तरा जा करेगा

और कृष्ण से लदेगा
मेरा नाम पृथ्वी का लनेमी
था: तब कृष्ण से मङ्गल किया था
जन्म ले दुमलीक नाम
कहा था तुमको पुत्र दे बला
तुं आने मतने कीसी बल की
बलि मतकर ईतनी बात कह डा
व काल ने मी बल गया तब
रानी को भी कुछ स्वयं वसम
भ कर धारु मया नैसी
हो हो ता था तैसी उसने
हुकी ही नहार दे वसे वसि
जाया स वस धी ईतने
स वस धी सहे ली आया मली
रानी का सींगार वीगा दा देव
एक सहे ली को ल उ थी ईत
नी वेर तुमके कसु तगी।

और यह कथा ती दु
ई व व न र र वा ने कहा सुनो
सहे ली तुमने ईस वन से त
जिअ के ली एक वन्दर आ
या उसने मुझे अक्षी कसत
य तीस के उर से मैं अब तक

थर थर वती हं: यह बात स
कलो सब की सब ऊर गई

और रानी को कथा रथ म
र बधा ऊर लाई: जब दसम
हीने पुजे तब पु रे दीने का ल द का
हुआ तीस स मय एक व दी आ
धी चं ली की जिसके मारे लगी
धार ती दो लने: और आ
धेरा ऐ सा हुआ जो दी की रात हो
गाई स और लगे तो
दुद दुद गीने बापर मर जाने

और वीजली त द फने
एसी: माधसु दी तेस व ह से
ती वरा को कसने जन्म ली
व राजा उग्र से नने वसन
सान गे के महुल मुखियों को
लाय महुल ला वा के रवाये

और सब ब्रह्माणा को
वई दत जो तीषिय को नीअती
मान स न्मान से बुलवा ने गा ने
आये राजाने वदे अब मारी नी
से आने दे दे बै था ये सब जो
तीषियों ने ल गत साव मु ह त
वीचार क के हा व नाथ: यह ल
द का क सना तुम्हारे वस से उ

यज्ञा स्व अती न ल व त होरा
दु स्व को ले राज कर्मी देवता
और आप का राजा ले राजे क
नीदिन हर ती के साथ मरेगा
ई त नी कं थ कह रु क दे व मु नी
के राजा परी दित से क हा
ले स हा भव मे उग्र से न के भाई
देव क की कथा क हा ता हा की उस
के चार व ते थे : और दु हा
प्रतीया धीस्व दु सो वासु दे व की
व्या हा दी सात वी दे व की दु ई जी
सके हो ने से देवता मो की प्रल न्त
म ई : और : उग्र से ने भिदा
श पु र्त प र्त मे कं स ही व द धा
ज व से ज न्म त के यह उ पाय क
र ने राजा की न ग मे जाय द्यो ले
दोटे ल द को को व क द प क द
लाग : और य हा की र वो
मे मं द मु द मा दी ले जो व दे
लोय त नि की द्य ती ये व ठ ग ला
और जी नि मा ले ई स दु ध से को
ई क ही नी क ल ने पा व को ई मा
व ने ल द के को द्रि या के प्र जा क
ले दु ध य ह कं स उग्र से न

का न ही है प्र श को ई महा
पा पी ज न ले आया है दिति
ने सारे न ग को सं ता य है : य
ह वा त सु न उग्र से न ने जी
से बु ला क र दु ग ता स म भा य व
र ई स का कह ना उसके जी मे कु
द भ नि आया : त व दु व वा
या प द्य ता ये के कह ने दु भा
क र ते है इति स म य कु पु त
ध मे आ त है त सि सि स य ज
सं : और ध र्म डा ता
है : जब कह आठ प्र व का
म य त व म ग व दे स पर
थ र गया ब हा का राजा ज
र सी व व द जो भा था ती
स से मी ल ई स ने म पु य
ध की या तो उस ने कं स का व ल
ल व ली या त व हा र मान आ
व नी दो वे ती का व्या ह दी त
व म धु रा मे आ था

और उग्र से न से के
पु व ध या एक दी न को प
कर अप ने प्री ता से वो ला की
तु म रा म ना म क र ना दो द दो
और महा दी व का ज प
क री नी स ने क हा मे री ती म

तुं दुरवसरता वे ही है तो
उन की नही भज गों तो
अध भी हो कैसे भवसाग्र
जार हो जा १। यह सुन न सने
तुं न साज वाज को च कद
सा रा त जाले लीया : और
नर मे पने धी के र दी की को
ई प ज दान च मी तप
और त म का ना म ले ने न
प ने पसा म धम म धा क को
इसा ता हरी के क दुरव पाय
लागे : और चर ती च
ती से कल मा न ने ली : त
व कल सब त सा ओ क ता
ज ले नु का वत य क पी न
आ वना द ल ले स सा इन द
प द च छा च ला ता हा मन
भी ने क हा की सा हा रा जे
इन्द्रासन वनित व की
य नु ही नी ल ता आ ज
रा वता कुं भ करों को कैसा
हो दिया की जिन के कुल
मे च क नी नर हा इतना क

धा कह श्रीगु क देव ज रा ज
परी जित से कहने लागा को
त सा ज व द थी वर अ ॥
अ धर्म होने लागा त द व थी
दुरव पाय च वताय काय का त प
व नाय त म नी दे प्र लोक मे
गई : और निद के स म
मे आ सीर भ काय उस
ने आ प नी सब परि क ही
का सा हा रा ज सा मे प्र सा
प्र ती पाय कर ने ली तो
न के द र से धर्म ले गु हा
य : और मु के आ ता हो
नर पुर हो द र हा त ली ज
इन द सुन सब देउ ता मे
की सा थ ले प्र सा के वा ल ग
य : प्र सा सुन सा हा दे व के
नी कित सब को ले रा य सा हा
दे भी सुन सब को सा थ ले प्र
हा रा य सा हा गिरि स मु ह
मे ना रा य न स्व रहे ये नी
न को स्व ते जान प्र सा ह द
इन द सब दे वता ओ को
सा थ ले स्व दे हो हा थ गी द
वीन ती कर दे प्र प्र सा ह ती का
ने ला गा सा हा रा ज चरि रा ज

आपकी महीना जो नक
 हस के मलसा रूप लेने दु
 वतने निका के व द हन के
 ने पीछे पर गीरी धारों की
 आ परा दु वन मु मीको दा ता के
 हव लीया वा मान होए जा
 वली को दला पर सराम ओ
 ताते जती व को

१॥ गंगा नदी नयेरी म कुतका
 व ध म क हो तो व म म म सी नि
 रहम व डिया कः १॥ व गुली नि
 लो कया गु गु जा क फली ला
 क गु गु ली कु या या गु मी ती
 न स्वा क व यरी २॥ अने क वा
 श न था क ने ना व को ने म दु
 के त व वा ने पा व र न स
 दु ना हा क व यरी ३॥ दु की
 हा क ल का से सी ध न या
 कु व्या से स हा च ता वा से सा न
 आ ना लु म ग्या हा क व यरी
 ४॥ हा गरी मी या का से त म
 न पु ली कु ले आ ल्या कु ती यी या
 व पु ला जो हा स्या हा क व यरी ५॥
 म ग त न न लु म र न ला ल क क
 या थी वी न ती या क दी या ली नी
 या या को ह स की व ती ली ता वा हा

श्री ग ने सा यन मो सरा सु ता
 न म सु तु व्यै वर दे का म दु वी नी वी
 जा रं व करो व्या मी सी नी म ग
 त तुरा सा ते भ ग ते सु सी ता
 ज्ये गं गां य सु प त प्र ध म न मी
 उर ती यां ह सरा सु ती ता री ये ला
 ल दा दे वी व त हं स स ग मी यं च
 म डो ग वी र व्या ता व स तं वा गे
 त्य री स्व ता कु मारी स तं तां पु स
 तं म स म प्र ह न वा नी क न म
 न न म वी न व्या मा ता द स न
 ल न श्री स ता वे का द सा यां
 म गे व न पु वार ती या भ र ता ये
 ता वे क पु नार सी ता ना मी
 प्र स ज स ती हा ज्ञा ही ते सु सा
 दी वी या ज ने वां द्या ग ह्या प्र सा
 त ज्ये ज्ये वी च रा स न सारे कु
 तु म कु ह्य वी कु म कु ता रे वी द्या
 रं ज क पी स त क ह स ते भ ग र ती
 भार ती दे वी न म स ते इ ति आ स
 ए सु ती तो तु वं स पु न स मा य
 लु म न स व य र म पु त का व
 ध म म क को हा तो ना व मी म से
 न र ल न वी ड्या हा क ६

तग मा मासि गुरीतफहा
 तवीयेतेन रुहमदर हनवी
 वडिताकह नामः चई तसअ
 जहिस्वा होया चीन वनस्वाने
 ईसा क गुणस्वान गुराजया
 मा गुस्वा जामे नलहीमाया
 गुवस तयाजु मे गथेयाडा
 योने प्र मुदीगुवीरहने
 १० गुली १ जेयस वनेरीचोवा
 स्वा नडिहलस्व आयादसी
 नुड्याथा होमा चीन वनपा
 स्वा वरिछायाहीतु सुहाना
 वसमुद्र मरिछान मोवीहा
 लदीगुवीरहनेरे २ गुली
 साउनिहिसु कुवरराडा
 भादवलेस्वा नडिफोलया
 गुवस्वा वृषमाया तावन
 सल्याप्रमकपा मीमान
 मोवीहालदीगुवीरहनेरे
 ३ गुली आसीन गुलासी
 लवाने फोस्वन कारही
 का गद्या नी थकु गो

दा वरिस्वा तरी दीरति तु सं न
 कवी नान मुहनीयेडन मप्र मु
 दीगुवीरहनेरे ४ गुली मग
 मरि के त क होया चीन दा फो
 स्वा योयस वसु मधुसीना मंडस्वा
 लामनरति तु सं ची कुसल या य
 मफमा चा न्हाल दाना दीगु
 नामका घोरे ५ गुली मग
 संमीकुस्वा फार गुन मलस्वा
 होया चीन सलिरि मका डरि
 गुमान वानरे एगु डी हनीते
 मना थुगुवेद मा मुपुह नया
 डा व वीडिता सं भार दी केरे
 गुरीतफहा त वीय तेन रु
 दसन वीव डी क रुनामः ६
 वर मकु प्यारिगुलसाने मे आया वरी
 गुल नमे आया वरी गुल नमे आया व
 री वर मकु प्यारिगुलसाने मे आया वरी
 वर मा कुप्यरी गुलसाने मे आया व
 री गुलसाने मे आया वरी गुलसाने
 नमे आया वरी वर मकु प्यारिगुलसाने
 नमे आया वरी
 यास गुमान मे कहुन मया तु म नहीड

ॐ ग नै स य न मा ॐ त्रा य न मा ॐ ग ग व तै वा
सु दे वा य न मो ॐ ई ई क स ते स्वर मो ला ना य ॐ सि
वा रा गी पु रा ना व दः मु नी स्वर प नी से न से वा या य मा
ल ॐ मा हा दे व ॐ पि र व ती ने न म ~~स~~ त्री पु र न ने
ला स पो अ न ता पु री स्त मा हा आ न द न सी व स ग त ति
रु प गु या धी इ या क गु ल ओ न ली ध नु वा दी त र
म ग त मा ता ॐ या ए व ती रा गु ल सा अ व स्था मी
ॐ मा हा दे व या ह न ने नी न ती या त ॐ पि र व ती ई व वः
मो स्था मी ~~म~~ मु ध ल पो ल या के अ ने मः २ः पु रा ना
दी क था हा तं त्र स त्र व न के क ल या ग क थी ने से य
क तु त ई द या गु ली ध ल पो ल या क पा द त सा मी दुः २ः
पु रा ना दी क था हा ध गु ली व न के क व द या प्र स न
मु से वी इ या ये मा ल ध कं वी न ती या हा व थो त
पा र पु ती या वी न ती मा या ने ज न ॐ मा हा
दे व ने गु ला सा ॐ पि र व ती या वा ल स्य या व मा
शा द य क लं ॐ मा हा दे व ई व व हे वा र व ती
हे प्र न वी या री मा स गी डी न थो म धे मं द ल
सं म नु वे लो क ई धा र पा य नी मी री ती निं जी
के अ ने ग स म ती पु रा न ~~म~~ ने २ रो मु र
द या या त मा न द न ता गी न गी न अ पु र व क
या हा व ने द न य क ची त या डी व ने इ ग थी
इ मु क था हा वा ल हा रो ना मा र न वा य ना

[illegible]

व वेदा काया न प व कुल धार गेह या दा व कया गु म्म हल स
व ने धन व्या धान गुल सा दे न पी हा धान दु गा व ना र हों ये न
का व ली कार या य ध न हो व न स ह ति तु हिला व स्व ल गुल न ला
आ ल सा द्मि न या ना प म ला कः आ व ग ये या य ध क म न स
मा ल वा व भू व दो स धाने धाल सा द्मि गो दा व ना ने म ना ने वा
ला सा गी धा रं तु मा मा ये द व या व ग ये या य ध क मा ला व मा क
या व या क ल बी क स्व या व मो ह ह न धो वृ क व न स धाल सा
म ने व गी धा रं तु मा म य द व मो पा र व ती धो ह न या धा र ग
धी क ल ना धाल सा च ला ह ली ध यु व ला न मो च के क र गु क
गै रे धु ने धु व ला न मो च के क र की सी गुल सा स्व धु व ला न
मो च के क र ध धी क ल मा ला वी र व र क मी धु ल न चो द
ह न या धा न गुल सा दे या व ही वा र दा न ला क गु ल मा रं
व मा र ग ये या य धा क न ना मा भ न ची त धु पा व य धो गुल
सा ली हा र ने म य त ध क वे ल प र सी मा ग या व ची न मो वे
ला धो ह न या धा चो ने या ता मा ल न धी द र धो वे ल प र
मा या क चाल क के दा व वे ल प र च ल फु दा व कु ती न का व
धो क गु श्री मा हा दे व दा ली र स गु त व सां धो वे ल स वा ने ह या
हे ल व मा के म क या र श्री ती ची कु या व ली वः २ ध क वे ल प
म न न कु ल व श्री मा हा दे व या के स्वा न न धु त के धो ली र स
ला त का व कु ती न का व धो त धो या धा न गुल सा धु
की सी गी धा रं तु मा म य न हे ल प ये के म दा से व धी त
शा र मा या दा व चो न ह न वृ क व न स व व ली री धी लो
क व नी से न ली व र गी धा री न गु या व शा र मा या दा
व चो द व ली वः २ ध क हा ला व र क गु ल सा या व

वीसा पया झा व मोनः हँ ई चे ला न ना ने डी ई ला मे ज वं स
 लं मु लं : आ ला मी ये न क ल व लं ह न बी चा ये न क ल व लं : का
 धा नं ये न क ल व लं : ओ ते स्व या व मृ ग नी न डु ल सा वी से क रा
 पा स न हे ने ता डा ह : आ व ग ये पा य ग रा ना ने हे ज र मे स्वर हे
 र घु रा थ अ व ला अ स्त्री ता ती थ थि डा ग म नी गु या व ग म सं
 क ल थ द या व यो डु ल म स त्री वा ल ह थ या क या व वी डु या स स ते
 व हे प्र मु हे र घु रा थ थ क अ रि घु रा थ या सु म र रा या ड व
 वो नं : ओ पा र्क ती थ यी डु गु म व स सं प्र मा ट मी अ रि घु रा
 थ न डु ल सां ओ म डु नी या स क स त डु व गु वी थ टि म र डु
 स्व या व अ ती क ह रा ना वा य व अ रि घु रा थ न डु ल सां
 ओ ल मृ ग नी र डु यां या य नी मी ती न मु स ल धा रा व मी न
 न डु ल धा रा वी सी ती या ड व ओ व न डु ग डु य कं डे या व व व
 गु मी स्था डा व वी लं ह न अ ती नं त व धी क ल मृ क र डु ल म
 मा हा वी र ल व या व मृ क र डु ल व या व ओ ल या धा या के
 ह व त का व ओ ल या धा या ता ह व त क या व स्था डा व वी लं
 ओ वे ल सं मी चा न वी से ना न ओ गु ली म न स ल सं ओ ल मृ ग
 नी न डु ल सा ओ गु ली या मे स ते ल ता व अ पि मी त मं
 र घु रा थ या ता थं दे : २ :: अ रि घु रा थ थ क अ ने ग म
 थ न अ रि घु रा थ या सु म र रा या डा व थ व गु था य ल

आनं ५ न म व स्या मीरा पा ५ न मने ज स य मो
 या ज न उा त द न यो न ध क अमिा हा दे व न अमिा के तीया
 ह व ने आ ५ द य क लं मो प्रिया पा व ती ओ ह न न ग नीरा
 शुहा ओ हे र घु रा थ न म न नीर ५ पा या क गु लु मा ५ न
 अमिा हा दे व मा दी रा थ या लु म र ती या ५ न ५ या उ पा
 या या या थ हा व वी न तीया त हे ध नु र व वी या जी न
 व घ नु ली वी न तीया य धु धा ल सा दी न यो वी द्वा द व न सं अ हो
 ग जी न अंतु स्या ५ न गु लं ह न ओ ला सं जी वी मी वा ह न
 व ला द ह न व व गु व ५ ला ह नं दी न स्या ये धु न ला व कं
 ने न यो ने ल सं या थान धा लं हे म ग नी जी न गां थु गु ली
 ल न ५ व स गु क म आ ५ द ५ व व गु बा ने धु न जी न मा
 व जी दे या पा दी वा र द्वा न ला क गु ल का लं द र आ न द
 न ता मो व का न जी दे या प दी वा र ये ता न के ये ने व कं
 स्या थ ता त या ए गु लं ओ वे ल स व लो न गु ल सा या था या के
 क र गु र या द व वी न ती या लु हे व नु र व र दी के जी गु
 को ती २ वी न ती जी गु म स व ल म द व ओ ले नं वा लं मं ह
 या क या म ते जी गु म गु को म ड व गु ने ल सं गु ल सा जी वी
 य मा ली व ना ५ या ५ न म न गु लं ली म र न गु पे
 मा ली थु का हे या थ व कं म ग ना म गु ल सा का ना म ह
 व ने को द व ना न ल मा ल ओ ले वा ला यी वी न ती मा थान

गुणः का धा न गुला सा आस्व ए ये या या व चालं हे देव
 अनी जीता थि डि गु आस्व ए ये के ना व सु न न म गु या व म
 नु दे या भा भा न का ल्या क गु जी नि सा ने मे म ना ना ओ
 दु आस्व ए ए व न ए व व ह न म गु जी ता सक हे ल क व व ल ला
 ओ दु हे तु गु ला च क न ला पा ह व ने चालं हे म गु नी द प ना
 प तु म न म गु या म नु दे या भा भा न का ल्या त थो रे या व डी
 आसी आस्व ए ये ये चा य पु नु ग ये व व च लं चा या व ह न व
 ला नं चालं हे च गु ए न र मे व सा दु नू म गु जी मु ब डी या
 व च तु गु य मालं ग ये चा ल्या जी गु ब डी जी नू प ए व ला
 त या ए ना गु म म व ल ए थु का जी नि प न के ला स सं अ मि
 ला दे व या ~~का ल~~ न ड व या व न नु या व ई ल्य री कु री गु य का
 नु ल दा कालि अ मि हा दे व या द ए ल न ला ड न मो डो ए थु का
 थो रे ल द नु या दी न स दे व ए न ई न य ल लो ल ला व हरि ने
 व से पु दे ते व ना पं मे ग ए ल ए न न री ली च्या हा या डी न
 यो ड न व मो डो या नी मी र ती नं अ मि हा दे व या थ स न ने ली
 या ला ड न व अ मि हा दे व न आ डी द स क ले हे ए मा द्ध ना
 या दी न स दाय ली या ला व का व मो डो द न डी ल म हे क से
 स ते ये व व क ला ला ला ला द न ला ल व च डी गु ल ए
 प वी ये ड ड आ डी द ये क ले जी नि कु मा व ल य म द स
 आ डी व वी न ता या डी हे म ग दी स्वर अ मि हा दे व डी म
 आ नी नं दो न के पु न डी उ पर स ए या त या व व ल
 न डी ये माल च क क वी न ता या व डी अ मि हा दे व

न भुलला अहो तकोर भयाङ्ग आङ्गा दय कल हे न
ल पापीनी दन वेव हार पथे ला भक आ ती कोर भया
डा न जीता स एव पी ला ग थी डग गु सरा प चालसा हे
चं दल दन पु ह न आमु हीर ने कले पु गु व माल चय
ह न ह प म चे अ क न ला पा वार वार मेव प्राप्त दु
ओ तेन दय नीग्र ती काम आवु ए गु ये प्रा धो व न ले सा
पलु गु मा व द पनी नी ले वला दा ल प गु व न की दा
या डग व घा न नये माल वि द पनी नी ने गु व न ले डु ई व
ह न आ काल मृ गु गु ये माल वि भ कं सरा प पी ला भो
का वा : ओ वे ल स ओ मा हा दे व न स ए प वी य गु ह व द्या
न जी मृ ती नं डु डग न आव ग ये प्रा प भ क बो प्रा व मो डन
इ ओ वे ल स ओ मो ला मा हा दे व न डु ल सा डी गु मा वा पी
ला व ने न न डु डी पर स क ह ना तया व आ डा प्र स न
डु लं या व पी ड्या ता हे रे भा आव दु प्रा य द न ले न क
ल डी न स ए प वी य पु न आव डी न वी दा ल ल प गु रा
त प्रा डग व वी द्या भा व स त दी दा १००: तक द्या भ ति
वी न्द्रा व न या पी व स च मा त र मा ह न द्या भा द स
दु न सा प ला ई व ग नो रा प ल डु व द्या ला सा
ओ वी न्द्रा व न स वेल प र मा द मा ड व ओ हे वे
ल न मा मा त प्र ले ल ओ मा हा दे व द न ई व ओ वे ल स
डी न डु ल सा द प नी ल ता दा ल न वी दो ई गु व व

25
व तलं
य नल
नीस्व
नया
हे न
लं न
दल
डु ल
ला
तं
नं गु
मा
पा
दु
द न
दया
धव
ग
व
व
प
थ

२६
व तत्तं हथु जगत्त पाव लुम जगत्त प्रई व च कं अमिह देव न भ्रा जगत्त
य नलः हे च नुर चर थो लन अमिह देवसा भ्रा जगत्त वेर थ ई गुये मर
नीस्वयु नय व भ्रा व अमिह देवसा दुर र एन ला तो भ्रा व गुव जगत्त
नया व लुमा जगत्त थो तेनं जीमनु मे पा भा वा न वा हा थ क ता
हे च नुर चर अस्तरा र्त्त गार नी गुया व नो इ : थो तेन थो गार न
तं नो इ थाल व गु को गुये वा व व व ह न थो हे लानं मेव ह न नैला
दुम प्रई व तीनी अ थे नं डीला त्या ये गुल ला थो ग म तं चो
उल मु वा गु को गुये वा व व ये डीलि थु ह न था ला मो चाल व
ला गु व क न लं जीम व ते वं व ये हे च नुर चर व क वी न तीया
तं भ्रा वार व ती थो ते च ला पा वी नं ती भा वा ने डा व : थो वा
नं गुल ला दुं चा ये म कु से भ्रां देल चील या इ व न ने ग मा थ न
भाल पा व लं ह न दे म ग न भ्रा व जी नं दु चा ये जी दे ला प री वार
जा न ला क ल य या डां ह न लां थ हे ह्या डा व ये ने मा ल अ थे न
दु पा व द न भ्रा मु थ डी गु ल ते ल से र्त्त जी न दु या य हे म ग न
द न जी ला हे ये वा व व नी व हे न द क क लं म व ल ला जी प री वार
जा न ला ई व द क न ह लं नी स्वि ये न द य गु ल ला पा क ला व न
थ वं च या व च लानं थालं मो वा वा जी न ल ते लो ल ते म थु
ग थे थ ल ला ल ले या प्र भा व न थो ल लां थ र्त्त गु या व नो न
वं गु ल यो ई व ये गु या व नो न : भ्रा व जी न लं ते थे व क य व
व ने ने डा व दी लं ने हे च नुर चर व क न न नी नं वा लं म ला ह
व डी वं चा ह न न गु या व ल ला ल क म ले डा गु पा यं जी ला ह
थ म वा गु गु पा यं जी ला ह द क व ल ला गु गु पा यं जी ला

हन मेव येता मयु गु बरहा जगु पापं हन मेव यथा प्रता जी
 वगिरे यादु गु पापं हन मा म ववु याता दुषवा यगु पाप
 हन गहमेन नु याव सकि भासं दिन कपा गु पापं हन सगु
 बापु रे नेना भैसीये गद सीयो ते रीने स मोलम लु सेन
 यागु पाप हन गुह या चन प्रह नया चन दुषी द्रिदि
 चने कुया गु पापं हन एता प्रा हन नगुह वाल प्रस्था जगु
 हन तीर्थ सवडा व वाला न वाली भाडा न गुती सीला गु
 पापं हन मेव यथा अल तीपु हष कया गु पापं हन मयु
 गु मरु चदं दातु की जाइल मासत बली सिद्ध गरा यादु
 गु पापं हन मेव येता मुमाल कं स ए पवी या गु पापं हन थ
 मन मसीया गुसीया चनं हादी चीदु गु पापं हन
 मेव याता म्हा थायं ला डा गु पापं हन पी वा हर यादु
 नत या हन ह्या व मोचा या या गु पापं हन प्रह
 नडा गु पा व सुही नी कला त द प्रो को गु पापं हन चवकु
 ल चार जे मयी डा गु पापं हन चाम या डा गुली गति
 मरु या गु पापं हन गौ माता माहिन नडे वगुह माम ववु
 पो तेयं ता मान मरी जगत मका इन गु पाप कन्ह
 मदि यासं मप्र लासा भुली या पडो ता गु प्रेमाला
 चकं एता एता मा चनं सते कबोल याडा व बला न न्या
 या या के वीन ती यातं आ ले वीन ती माया नेडा व व्या की
 वया मनसं भाल पुल थो बला न थुली तो सते वाचा या
 सेली सते या पास न मये पुन मबुला कक व्या या पती
 गुमा व गला ये ता तोला ता व दोलं थो के लसं मगनी

ननु लता अत्र देस न नैक कं लीला वा न देवा र वती अत्र
अमाहा देव ननु दये कलं इति अहि मा महेस्वा
सहादे अहीवरा गी कथा हा प्रथमो अध्याये ६५ः
अमाहा देव इवा च नति जो हन वे चामा देय को
नय दत लान पाव तास गुपा व जानी व युका द्वा न धाल
तां वहीदीया न लाडा व अत्र हस तेसं नव हन बला ये
ता लील ताव द्या ने प्रह सम सविः २ः चकं मरिदु रा
मकपा व वहीत जा भूत ताया डा व वेला न व कु तीन का
नः सवि लीग या हरि सं लात का कं वो वो वो प्रहल वन व
यभी दु गु मौर सं हन मेव सं मा बला द्वा वया व पु मु
लसिं वडा बल व दोडा वली हा वने ताट पार पा डा व चो
न चो वेस सं चो व्या डा न चो हन बला ये ता वडा व ह चो
सं न वनु व कपा व हत चो ट ये न कं लीगौ न स ला व कं
वे के ताट पार गु का वेले सं चो व लानं व्या डा यता व गु व
चो हन बला ननु लता अती जा सवा मा व अत्र ग ले मा य
वी से वने चाल सा ली डा स्या इव अये न चो डी वर द्या
गु इ व म सु तु मा व चो थे डल सा चो हे व्या डा मा मा सं व
ने मा ल थक थक जी व पा मा पा म का ले चो व्या डा मा था
ल वडा व धाल हे वन र धरः चोगु लीला न डी ह्या मी च
ला द्वा इ व गु धी न मा डा ता हन म धु धी न स्या ये धु
ला थकं ने डा व चो ले बला पा व चन ने डा व व्या डा
न धालं हे मरा नी मा व द्वा नी स या व वन न हो

लो मधु तः ॥ गीदे पाप रि वार द्या न ला इन वली ई
 न भ्रातृ दीप्ती तास्या इत जीप रि वार ये ता वो स
 लये गुल धक व्या धान इलं ता भागि को र धन चल
 थो ते व्या धा पा को र धन च न ने डा व च लानं गुल ता
 व्या धा पा ह व ने धालं हे ध वु र ध र जीपु ह व व ल रि से
 वा पा व नो डा गु ता का लें द तः ॥ धन स्या ये धन ला जी
 नान स्या व स्या ये म धु नी सा जी ता न जी स्या मी न ला
 ले द क न पा ला त के दो पा क ह तं जी भ व ले न दी धा त
 व ये ध कं च ला न धालं थो ते व ला पा व न ने डा व व्या धा पा
 मन स भ्र ती सु र ता गु या व थो दू मा स्य र डे गु ला ने
 ल व पा व ल व ता लं धामे च ल लो क ल व व म धु नी न दी
 त जा डार त नान नो डा भु का हे दै व ग धा डि कू म्मा स्य र डे
 गु ला व न व लु ता गु या व म धु धे या भा भा न भा क्ता तं न
 व व व ह्म न न नु ये या भा भान म ल हा तं थो च ला व न दी दे व
 क ला गु क गु ला ला थो दू हे तु गु ला ध कं जन भाल पा व थो
 नो नं हे पा र व ती थो वे ल स ह न व्या धा नं धाल हे म ग न
 थो गु ली ला नं वा च ला गा व व गु म भा डा मा च ला द ह्म जा
 व व गु भा डा न्नी न स्या ये ध कं त पा र या डा वे ल स थो च ला
 ला न गु ला ला गी ह व ने व पा व व वी न ती या तं गी क न्द
 स स तं न व ये ध कं ह ले न च धा या डा व व ना ना च कः ॥

२०
 व्याधानं धारं धोते व्या धाया वन नतीडा वन लाने धीन
 तीयातं ले धनु रधर जीव सते बाचाया इन व वा ने सेड
 धकं गये धालसा दो शीजा तजुयाव संग एम मया इगु
 पापं जीता हन हातीयाति देगल धर मला ला लेन कागु
 पापं जीता हन मेव धाता दल कप तमलाडा गुपा वं जीता हन
 एजा येता भात दल माक वनागु पापं जीता हन एजा गुपा वं
 प्रजा येता प्रीती धात मया इगु पापं जीता हन प्रजा इगु
 एजाया गन नेम पागु पापं जीता कहलं ही धाल मकलसा
 मुलीया पजीता गुयेमाल धकः ता ता माधन सते ना
 बाया इगु वीन तीयातं धोते वलाया वीन माधानेग अतीक
 हन बाय वः मगु ये मुसेलीध कन तसु था तेवलां वयेम
 ल धकं बाया व जोहन वला येता तोल ताव दोतं हेवा एवती
 वकं श्रीमाहा दे वने आडाद ये कल
 इती अहि माम हेस ए वं वर श्रीसिव ए श्री कथा हा इती
 ये अ धा येतं

धानं जुलसाः २ः सविः २ः धकं इगु नोंमं कया वं वेल वर धाया
 व नेल मत्र धेक से इगु वना नचो न हन जोहन वेधा घाम नसं
 मेव ए वला व ई व धक वने भुमे नाक लनीक लनं ह्यया वचो
 नः भोवे लल वदा लव धीन हन हीष्ट पोष्ट न लो इगु वं चोन
 हन वनला दल जो पुपुलसि ई दा गुये कलाख लोड व वये भुमे
 धाले गीन लहया व चोन धो वेस व्या धान धोहन वान लायाता

भाद्र न अतीरता याव धोह चलाये ताक पे के ता चकः धनु
रव कया लीग गोन सला वः कये के ता ध्यर गुलः धोनेह
धोह नालान गुलसा धोह व्या चाये ताव ड नः मन भा
तपुनं भ्रात बालसा धोडी व या आसा मद त धनी जी
प्रन वच मेडु इगु कपीन गुलो भोव्या जान जगिगु प्रान
अनसे नकाई गुलो चकं गती जालचा पात्र काव जी गये
याये चकं मीमान ~~मि~~ धोनी हा पे काव आ वजी स्कीने
हम दू धोव नीने ह्य पे तानं धोहे व्या जान स्या ये धुन
कलो ला भोडी प्रान गडु ले या डव तया पनी अस वी पती
मदु गुष तसा जीगु को भा डव नोडा या दु प्रीयो जन हस
जीजी व ससा न ह ह्य प्रान वसमान भुका भोप नीम दस
सा जीगु को भा डव नोडा या दु गु नद तह आ व धो व्या चा
स ~~म~~ सजा तसा मीड धोडी व या माया जीता दये हन बालसा
चर्म पास गु जान गुल कर्म चले याय गुलो अस वी डत मद
ये कं दु प्रीयो जन मद हनं पर देस सं जने वेसं दे या भासा कुवी
पात्र नोनी ह्य अस वी डत मद ये कं जीमी जत या मदी मद
मसि हो चाये ह्य वी पती गुई वेस सं डिय देस रापी ह्य भुका
गोह्य उरषया गुलसा अस वी मद तसा ह्य नोन सा
वन सचोडा ~~म~~ चाये अस वी द तसा वन सं वी नसा देस गो
उर धे चाये चकः धध डि गु प्र करन भव जी व या माया न का
है या धावोन भास वडा वी न तीया त भी चवूर धर थो
जान मा चला ने ह्य व न गु मड ता हन हन स्या ये धुन ला

३२
सहा
लं
नप
भ्रा
न
जा
से
पु
दी
बु
ना
म
थो
ह
क
धा
न
नी
मे
स
ह
ता
सा

तदा ० काने माला चकं वीन तीयात गु वचनने उग्र वा धान माला
 लं अवधो ह चला तीतीया ये चकं तया एतुलं हन वा धान मा
 लपुलं आवधो चला जीता थुली तो धर्म कुची नकं वीन तीमा हेली
 भान जीने गुया व प्रादु गुय जनि धो चला मा ता काने माला चकं वा धा
 न चालं हे मगरा ता थुगुली लान मा चला ने हन अवले न प्रलाष व
 जनि धो य नीने हन स्वाय चकं तया ए मरु वेरु सं धो चला पनी
 सेन तीष हव अदी न वल माया व जकि वीन तीयात हे धनु र धरुः जी
 पुह व गुको नाय लाङ्ग व मे कनू स सं धा ० ते वलः दी गुल न व नी
 दी पती त म डुल सा पाफ् पाव दो पा जीप नी सेन स ते फुल के म
 बु दी धा सं सते २ : न व पे चक वीन तीया हव जी अ ती क र ना
 माया व लोल ताव दो या चकं धा मा व भा ना मरु ए सा न मालं
 मोनु धनु र धा भो मरु नी पनी ने हन जी कलात पनी गुई व आव
 थो य नी ह ता पा फ् म का व दो पा तो जी ता न पा फ् मे का व दो य
 हे धा धा जी ने जी कलात पनी स या धाल द क र को स्व या व व मे
 कनू स सं धा ते वलं जी नी स्व मे न दी या स व पे हे धनु र धरुः गठे
 धाल सा जी न स ते वा चा माय ए जा गुमा व अ त्या मा हा व मे व या म
 न का ये क र दो या गुया पं जी ता दे व जार या भा व म ग ती म क र
 नी म मा
 से व गु गु पा पं जी ताः गुरु नी द्र या ज मा य जी ता गुरु पा व च न म ने से सा
 स व थो मा त या गु र्ध ती मा ने म य हे गु या गु पा वं जी ता ह न श्री सु
 ह जे लु या का व दे न गु या पं जी ता म व या भ न मु या गु पा पं जी
 तां मी सा ज न गु मा व ध व गुरु व हे लां या ज गु पा पं ह न

मीसातसे भवपुत्र म कगलजुहा धव पुत्र धन मलाता धव
 तोरता वरुण गुपापदे धनुर धा कनस शीदी धाल मकल
 साधुली पापं शीसा लाई वधकं रागराग ता हया सप तया
 उग वीनती धातः भोले च न मलाया जुने धव धधान सुलता
 भोलेन वाचरा धाता तोरता वदोतः धी वेलस नाने सया स्वप्रहल
 गद वेलसं धो वेलसं धो व्या धानं सुलतां सीवः २ः धव श्रीमास दे
 धारा मकया व वेल वव वव पुडा वः श्रीमाहा देव धा ती रतं ला
 तका व वेलस गदुती न काव नीन भी पा वती धो वेलस धी व
 सांचनी जुलसा चव दे स धेन काव धो गभे सं गुया व नो ड लाः
 मगनी गुलन मास पुत्र नडु धा व मो चा पुल पुत्र ने स पुत्री ने
 स धेनः ६ः मो ना तो पुल मे काव श्री ज्ञान दन ने हने ला
 धु कु ड धेन मो धा तो पुल जाहा न मुद्रा व धव गहे स धव
 गुन धा व कल ध वनी मी धा नया धन वदी तो अने कस माध लहा
 ना व धव पुत्र ध धी न क स धा व ने हन मग नी धा मन सं धा क
 लया कुल गुधा व धा व ध धे धा ध धकं लाला व ची न वेलसं धो
 लना मला दे धेन कल कल ने स कला तया धाल लया व धव पु
 धी धे हन नाल वया धाल लया व मग एडा या मन सं धा ते
 तत ह व मान या डा व धने क दु व लु धया स म व ल हा ध व
 न दी हा ड गुल मो धा व ती मग ए डा न गुल सां धव कला

३
 तयन
 श्या
 धारी
 धाला
 शी
 व दे
 धदु
 लध
 तयन
 गुन
 धा
 धी
 धेन
 निम
 धा
 का
 शी
 द
 जल
 सव
 पुत्र
 ला

तपनीस पायां लखया व बाल धं दे धं दे जी भागे दे वया कर ना
 हया ता श्री जी यनी अस श्री गुरु बन पा लाये दता मो वरी ये पर नवी
 पारि धनी दू पनी सीता जीन मा ल मु मु क वन पा वी ब स वा धा द स न
 धाला जव जी गु प्रा न काये ता तथा इल भी वे स थो वा धा धी जी न व श व
 जी अती रा स गु धा व आ न ग ने धा प ध कं ह धा स न व्या धा धा धा स व द
 व रे न ग र धर आते : २ : जी गु प्रा न काये मते जी न धा दू ती वी न ती या
 प्र दु धाल सा जी अस नी यनी ने स द व धो ते नं जी अ स श्री यनी स या धा
 ल दू क नी स य या व व ये द न धाल सा जी प्रा न व तु लै या ड व त या ह क ल
 तपनीस ता दू क गु को न पा ला इ स के दो या धो यनी ता पा ला गु व य मा न
 गु नी न ल सु नी ल धा ड न धा रा गु अ धा य धा ड व न्वा ड व क न्ह स स
 आ ते व ल दू धा स स ते : २ : रा व ये ध कं स ते क वे ल या ड व न्वा ड व
 प्र द्या यनी आव दू य नी ले न जी गु मा या का ये मु ब्बाल दू य नी ने स
 से न धो बाल ध यनी नी न क नी दू या ड व यो ड हे स वी यनी जी गु
 नि मा ती न दू य नी से न स्व क य स म ते धो व न स पु ने क ती वा ड गु
 या न ये दू व धो ते धो बाल ध यनी स ता ह न द्या ड व यनी व धो
 का ये ह या व यनी नी द न या ड व प्र ती धाल या ड व त ल सा श्री
 जी स य रे सै वाने दू र व जी यनी स ता ड ल द न धी न द न वी धा व
 द को वा स ठ धा र या र व पु व्र म द त्ता श्री जी यनी स ता सु नान
 ड ल द न धी न द न धी व धो ते न आ मु पु व्र ड ल ना स श्री जी यनी
 स क ले न क वा स ड र् व हे आ स श्री यनी धो ते कार न धो पु व्र
 पु वी या ता दू य नी से न व हु लै नी द न या ड व प्र ती धाल या ड

प्रत्येक मल डिङ्गुल सास ते प्रीति पाल याप नमार्त्त नव्या चाया
 भासवाने तेल दूधनी दुध चायाये मते जीगु दुधकं घोयाव
 चोने मते: भो प्राने स्वरी हे प्राणीयारी अस तीपनी चकं मगरा
 ज्ञान डुल सां व्या चाया चासवाने के थव कलात पनीस के वेदा
 कया ववाने चकं ने ह्यरा तीपनीसा केवल पाव चोन भी पार
 पती थी नली खुली अत्र स्वाभी मगरा जाया श्री ज्ञाने नव
 जी थी ह्य मगनी निवीन तीयात हे स्वाभी हे परान ना थ दू ल
 पोल से नग ये स ते परतीया याडा अ थे जीन भो हे व्या चाया
 ह व ने स ते वा चाया ज व वया गुद व ग थे चाल सा जी राद ल पो
 ल नया लाय भकं वन सही तुही ला व र्व ल गुणा अतीन व्या ल चा
 या व पुगु ली स लय तोने चकं वडा वेल स थी व्या चा न जी ता व डन
 व जी अतीत गुडा व ह था स न व्या चाया चासवा ड व वीन तीया
 ज व हे चनुर चर आसे २: जीगु व प्रान काय मते जीगु वीन ती
 ने ने माल जीगु ल भनी गुणा व चोड ह्य दी ता पाल ह व्या लाई
 व हन जी स्वाभी माल व पाल थु का दी तर वी गुला चकं ने डन
 व आ व दी गु कपा द रसा जीसा मरि क ना पालात के दोया
 लन जीगु मसं चोड ह्य मुया डुनो पुय का व वये हन जी स्वाभी
 दू क ना पला गु व क ह स सुधा ते व री दी आ स व ये हन जी
 स्वा मरि क ना पला गु व क ह स सुधा ते व री दी स व ये ल ते २:
 न व ये के स ते क वी ल या ज व वया गु द व थु का लन दू ल पोल ला
 या कल व वे ल ४: ज न म गु या व चोन मार जीन स ते प्रीया

ल यायनीमर्तिनि श्री पेणः ४०० बाल भ वनिके लुया ताल व
सुग व ता थे सुल मोसमी धकं धाया व कां दी हन मृग नीसल ता व
बाल हे के रे सु भाव नृपिनी सते श्री ती पाले पात व ने या कारन
व्या भाया भास व ने दून धो बाल भ वनी भीन क नी दून या ज व ची
हुः श्री बाल भ भीन क स्या हा सं भा या ज व तल सा जी स्थि रा वास
साई व धु का हे के रे सु दून दून धं धा का ये म ते व ध कं धा या
व भी ते डी थी हन मृग नी धा व च न ने ड व कां दी हन मृग नी नं धा
लं हे त टा दून भ्रमु थे आ ज्ञा द्य क से वी ज्या य म ते वः ग थे डी
सक ल य ना से न स ते क को ल या ज व वी ज्या ता अ थे डी न स ते क को ल
या ज व व या गु द व धो बाल भ य नी ल या क व र म स ग थे ची या
व तला अ थे डी व स ते पु त के म ते व डी न भी हे व्या धा या धा स
क हे सुं धा ते व ल स ते न व य ध कं या क या व य ग द व ध क
हे ता त ध कं कां दी हन मृग नी नं व नि ती या तं भी ते कां दी हन
मृग नी या व ती भा या ने रा व धा ना मृग ए ज्ञा न बाल हे प्री या
धानी भ्रमु थे डी सी ली दू व नी से न डी गु व च न ने ड ग थे धा ज
सा श्री ती स्व ल से न भी हे व्या धा य ता प्रा न ल व लं ता त व ने मा
ल धा से लाः ॥ भा व धो बाल भ वनी लि या ग थे न रि वा हा गु र्द है
बो दा ता हे दे व डी ता ग धा डि गु सा स ता नि के न का व हे दे वः २०००
ध कं अं दो ल वी स या ज व ची न रा न मृग ए ज्ञा न डु सा रा रा मा
अ न वी ला य मा ज्ञा य सी ल क द व वी न ल ल क नी वी धा ता सी वे
ते य से ला ला ते दूर माली का दे व जो व नी ही ल गृह डी ल ली वे
ली वी त गु न वी धा ता न ल ला त सं चो या व त व ग म गु य के ल या
सा म धं म दुः श्री क ल स चो या व त व ग म्मा य ल लु ड न र्दे

गु आबल वीया ववीया देव ताया गुणा ईन्द्र पसामर्थ मरु
आब दुयाय चवुदस भुवन जीपे धीजु पाव वलसाः जीतो मे
वगु कसफल वीय फरु व गुप्त भुतः आब थ ये चोडा व मजी
ली वी धा ता नयाका थे यतय मालका मननना ठ पाव थ व
कहा पनीसमा हव ने धाल हे अस रु पनी आब थ ये चोडा म
जीलो हे अस वी पनी हे प्रा ने स्वरिग थे धाल सा संसां रं तते
प्राती पाहु याय माल सते फुत के मते व थो तेन आब थो व ल
व पनी सम त जो डा व डी जितिक लन ने माल धकं सम धा पाउ
न स कल गाहान मुडा न व दः ६०० तीर्थ सिव डा व गंगा सत्ता न
या डा व देह प पी ग या डा वः मुडा नी क्या ह्या व वल घस
कल पनी मुडा प न्या धा या भास • ये न क ल नान न्या धा या ह व
ने धल मुडा र्वा च हे धन र धा आब जी पनी न ये धुन आ
न जी पनी सया प्रा न मो व का व हन परी धा पोतल यात हु
नी वील भयाये मते नृ प जी गु प्रा न का व अले ही जे थी हन कला
त या प्रा न क व व न ही कां धी हन कला तया प्रा न का व अने ही जे
काय ह्या नः ६०० पे हन ग थे नी रि वा हा डल अ थे या ते वी
स ने हे धन र धा हन जी न ब ध ला वी न तीया पे दु धाल स
दे सं वडा न दे या परी धा स क ले चो डा व चो ठ पाय सं वडा
ने से दीर ने दु धाल सा धी हन ब धी डा व न वी वा हा स
अने २०० गडा विवा डां तु अल र्वा तु वला शु फा हली अने गः २
अगल वदी द को प्रा नी या जी न का या व थो द को प्रा नी

यागु मलये यडाव दे यापरि वार जो लहा या जो डाव म्मा
 व मोलकल माजीव मो व का न गुपां य दूरी वार लेन
 ई नाव काये ववला धकं रोडाव वये थुली आने डाव वय
 पुने के वन हन जीवनी लया प्रान क याव जीप नील यासन
 यडाव दन परी वार पता नके यने माका हे व्याधा धक म्मा
 गरा जम क याव दोतं थोते चला याव वन ने डाव थो व्या
 धानं गुरुसा भी चला न धा व गु वडांः प्रवसे न क व मा
 लपा व नील्य य मा डाव थो व्या धान गुरुसा ह थासन य
 व दे वडाव यव मास यव कला त परी वार लक ले लल ला
 व वोन थो वेला सं दे या परी वार दो लेन यव पाका गु वला
 गुरुसा या व लेन न से नय न मा डाव अतीन पी त्या ज व
 चोडा चोडा गु वय त सं व बा गु येन कल वल आपाल मह
 लसा जोडा व कल व ई ला धकं माल पाव वाल यप नील क
 ले न थासन का हा व मा व मा मा आ डाव वया गु मा ला भाता मो
 डाव यडाव धाल हे ववा गु जीप नीलिया अतीन पी त्या त लेन ग
 नीले सान ला क नी दी गना का या व चोडा आव धुधु स्या डाव
 हया हका २०० म धान जीप नीलिया नये पी त्या तो धक लक ल व
 री वार वया न गु तु गुडा व वोन थो वेला थो वेला व्या धान
 गुरुसा वाल यप नी हा व गु ल या न मन लं वा कु ल व्या कु गु या व
 अती क ह ना या या व व धा य थो धा य मली या व वा धा मी क
 दा ना व गला धला पनील के वडाव धुधु फ र्दी त्या डाव हया
 व लक ल परी वार याता नके पुन का व हन लक ल परी वार या ह

वने बालः धन आसगीया रवाल स्वयात हे आसगी अन द
 वनीसकेष दता तेतो दु बालताः द वनीसया परिधार
 यानीमीतीन जीन इरुताः नृणां ॥ १ ॥ दुह गावनसही
 पुहीला वः अने ॥ २ ॥ क कागल पंदी चला गुफा एणता
 प्रका एन जीन कय कात्र आपाल प्राणीया जीन मोव का
 व गुवाय जीया क नान गु को कुचीने गुला दप नील क लसे
 न कुचीने गुला गा मे अत्र ॥ ३ ॥ अस गी भनी जीता थोया
 या इला क नीये माल वनं धाल थोते अत्र भवमय्या वचन
 नेइव अस गीन बाल हे स्वनी दल पोत लेन मेव या जीवि
 मो व का व हव गु जीपनीसेन गने पावलु बुन दीय थोया
 मगा जीपनीसेन कुचीने मधु दल पोत लेन मेव या जीन मो
 व का व हव गु दल पोत पनीसेन भीता याये मालीन मेव
 न मो अया र्जु मधु वनं धयाव थोते अत्र कला तथा वन नने
 गव हन माम सता ताव बा ह हे माम दल पोत पनीसे
 न थोपरीया पोसल याय मी तीतिनीन इरुता अने क दुगा
 वनसही पुहीला व अने गजी वात दुह्या इत दे सहाव द
 को शासन वरीधार दरीय बाल या इव तथा आजात प्रा
 नीया जीव मो व के धुनु आव थो वैया जीव कपा गु पाप
 जीन इ को कुचीने गुला दल पोत पनीसेन कु चीने गुन
 वला गये हे माम वनं धयाव थोते पुत्र या वचन नो
 इत माम न धाल हे पुत्र आ मु पाप जीव नीसेन काय
 मधु दल सी कल हला ला मी क ह्या इत हला ला मेव न
 ह्या कल हला ला जीपनीसेन मसीया जीपनीसेन ह्या

शत्रु मनु स्या कशु बाइ मनु ओगुली पाप जपिनी हो नग
 ओ काय गुवन आमु दन मेव मा पान मोच काव हवगु
 जपिनी हो न कुचीने मधु चर मला हा पाव लात साव
 धा मन थाइ गु भमन मोग याप मली आमु पाप जपि
 नी हो न काय मधु हे पुत्र धनं मामन धलु भी पाव की
 ओ ते मा मया वचन ने डावः॥ आ चाम गुल हा मनन मा
 लमुल आ हा हा गी डाव गु कर्म या डा धी कार जोगु
 जदम गुल हां ओ जा हा न परी वा या नी मी ती न ध
 थी दुगु दुगी वना तसे ही तु ही ला व दको जोगि जतु या
 जीव काया व थी जा हा न परी वार ही डाव तया आन थी पा
 ज दे या परी वार न काय म चा ले ली आ वली जनि थी
 गुल जगा जोगी जनि नी स्व मेन या य मधु त ओ कर्म मा
 ज्ञान थी भव हा ग तरे गुई मधु त ओ ह सार्ग थी जी
 नतरे या य धी कार जोगु जदम जनि ग थी ड गु पाप या
 सा ग से प द ल पा व चौ डा आव थी परी वार या माया जी
 मुले गुया व चौ ड न नं मी डु गुई मधु त के धेदेः २॥ ओ
 मुग राजा पणि सया सुते धनं भारी डी ला कर्म पाउ प
 हे स थी ला धनं॥ ओ मुग राजा मुका आव भनी नी सि थी
 मुग राजा जोगु गुल ओ मुग राजा पनी जनि स तेः २॥
 स्या य मधु त नी स्व ये न गु ल धनं ओगुली प्र का री व्या
 धा न धर्म मया चे स ना डु का व दे या परी वार वनी सया
 बाल नपा मस्य से धनुं व जो डा व दे न थी हा का गु गु

लं भीष्मावती धकं श्रीमाहा देवन गुरुता
 श्रीष्मावतीया हवने आहुता हुये कलं श्रीन लीः श्री
 नृणां धा धान गुरुता देनपी हा वड गुरुं गरा म
 गराता कोरा श्री नाथेन कल वा हुन व पला पनीसि
 या हवने धलं श्रीभुग रातु श्रीगुली वनितीने हुं दु धाल
 ला ह्यपनीसि वा व वनने हुं ह्यपनीसि या हु विर ह्य
 धाय भीमतीनि श्रीन गुरुता वडा २०००० दुरगा वनात
 रत हति हुं हाव भ्रने क श्रीवाता तुल्या हुन व ह्यपनीसि ता
 पोत रुया कावतया भाव मेवया श्रीविमो व का व रु या गु
 वाप ह्यपनीसि नेन काय वली लन श्रीन हुं को कुचीने गुरुता
 गथे २००० वव धकं ने हुन श्रीवेलासं श्रीदिया परिवारन
 श्रीभामु वाप श्रीधनीसेन काये मधु धालं श्रीते ने हुन श्री
 व भुगु वाप सुं नान कुचीने मधु धालेसी भाव श्री भुगु
 वाप कर्म वाप मधुत के नहिय ये या हुन व वय धुन धकं
 देत हुं को आत्मसत्ता भुगु एतायात का हुन व धालं हे भुगुनी
 हे भुगरात श्रीभाव ह्यपनीसि या प्रा न काये मधुप ह्यपनीसि
 या धर्म मर्त्य देत न ग्या न द म का व वलिं भीभुगरात श्री
 न हल पोत पनी श्रीपुल्ल व पुन पुत्रीसि हति न गुरुता व धाव
 देतं श्री हा व हुन व भान न द न सुव भीगयात व चीन हुनी श्री
 न द ह पोत या प्रा न हाते २००० न मोच के मधुत श्रीव ह ल पोत
 पनीसि थ व श्रीसं व हुन व भान न द न ची हुं हुनी धक न गरा
 श्रीपनीसि ता वी पा वीलं भीष्मावती थी ते धा धा धा वचन

मे
 श्री
 वर
 कु
 म
 द
 सु
 हु
 पा
 चा
 वा
 ता
 ते
 ल
 ला
 ए
 स
 ग
 दा
 ग
 म
 त

मेडा व बला वनीतिं न चालं भी वनुर धरु पिनी सिनेन शुगु
 ली देह लान स्वरा वास वनेगु मनस्व भा या उग व वय धुन
 वरा नीगन शुया वस लेकु तके न तेन गा हन प्रा नीन सते
 पुत नरा नन अवलेन नक सलावे हे धनु र धर प्रा व वीर
 मया य म ते व मा थन जिपिनी सिया प्रा न काय हे वनु र्ध
 दन पर विार पता यो स लयात हु नी जिपिनी सिया वने म
 युत वकं हथ्या या उग व वीनं वा धा या थान प्रा न ल व ला
 उग व वीन भी पार वती भी न र मिगारा ज पनी सिनेन हथ्या
 प्रा उग व वीन वाना वी वा धानं शुगु ला मगारा ज मास्व ने
 चालं भी मगारा ज नी प्रती ज्ञा या य धुन दन पनी सिया
 प्रा न वस्व दन काय मयुत ध पनी सि मा उ व दे स न ठी
 ता धर मया चे स ना दत म का व वीर ता ध प नी जिगु र र ल स
 ते २ ॥ न शुगु ज्या या य ज नि न वत ध प नी प्रीति तिस शु
 लसा जिगु लते प्रीति जिगु ल स्व व ध कं धा या व भी वा धान शुगु
 ला थी मगु र ज य ता गुरु भा व स्व व कल मुला व थी ल मृग
 ल ज य ता दं दं त प्रना म या डा व धुनु व क मा व थी चला प नी
 स या स्व ने धनु र व क या व ती क थुला व वीर भी पार वती भी
 गुरु पिनी न वा धान शुगु ला ज कि मने ग मा थन वेल पत्र
 धा या व न दी तं स वि २ ॥ ध क जिगु ना न क या व जी के म
 ग नी भा व या ना व मने ग प्र का र न या व द को सा शुया व धर
 मया चे स ना द या व धर्म स री शु य व वल ध कं धनु व स मे
 त ती क थुला व मे व या जी व थन र वि वरा व र माल

पात्र व्याग्रा याडा व जगत संसार सासार भाल पात्र व्याग्रा
 याडा व काम कोर चलो न मोह लेल पात्र कोरु मुमुः भोगा
 रवती सी बरा श्रीगुरु पुत्र जीय वासे ना घेन लन डेट न धरत
 जाग ते ना याडा व सीवः २॥ चकं जोगु नाम कथा व जोरु मा
 नोमिति न व्या चा या हा प अनेक जीवा जतु या प्रा न मो
 का गु पाप हन मे वगु को तान को तीया पद तान पाप पु
 डा व चर्म या नीस नादा भोपार वती थी हन व्या धा न
 जोगु भाव भगती न य क चरि या डप डा केसी वात श्रीगुरु
 उ वेल पत्र दाया व ले या या कगु पुने नं द को पाप ना
 लडु या व वान थी हन व्या चा य ता डी न जु हा सा ल वः २॥
 चकं सते या ल पा व कैला स संत या व पुडा या त का वत
 य अनेक लुभ भोग या डप चीने दये का डप हन मृग
 राज पन हिला न दे रग न ह त या व थी हन मृग राज पा नी
 ला मृग सिला न दे गत त या व थी हन व्या चा य ता चरि
 न दे रस त या व हन डा द न मद न ग र्भ वात मु खार का व
 तय चकः श्री ३॥ भोलानाथ श्री ३ मा हा दे व न श्रीपार
 वती या हने भ्राजा दस कर भोगीय पार वती सारि गीषु
 नु भोगु सीप्र कार न गो हन मनु बेन अप ल न ची ना व च
 दी डा गत ना या डा व श्री मा हा दे व या ता वेल पत्र दा या
 व सीवः २॥ चकं य क चरि या डप व जोगु नाम काई व
 व हन म नु मे पा त भ भि डि गु प द वी ला ई व थु ली न म
 कत सा ल्य प्र हल वन चीनी थु ली न म कत सा द प्र

हरिजन चीनीवि थुलति मज्जसा मद्दिमिन नीवि सविः २॥
 धर्कं जगि तुलाम नम्रा वेल पवधु या नसवि पुजाया
 ईन थील मनुमेया कोतीः २॥ पाच दत्ता दको पाच
 तास दुया व सदा कलास कैलास पद नीलाई व भीया
 रवति ओसीविराट् या कभाहा गोहम मनुमे मंल्ल
 ईन प्रभवा नेनवि प्रधवा थीला फुदे संख नदं यका
 वत ईव थील या कोस सुभ भोग प्रतीडु ईन गो वेल स
 दुमडु ईन ममुलदा कालसा सु छप्र पतीडु ईन प्रल काहा
 लं न नद मर मडु ईन ममु हन नग म वास माही वम
 मु मरुतु लमा सं कैलास वास लाई वः नीलं यन धकं
 अहि माहादेव न थीया वतीया हन ने आडाद
 मकलं ईति अहि नाम हेस्वर संवाद श्रीसीविराठी
 कभाहा गीक तीये आ ध्याये ईति सि मोतः ४५ ७३। सा
 लमिती च ई व ४५। गलेटीडाः ७। सुभ

श्रीगणेशाय नमो हार सुत निम सुतु नं वर देना मपी ही वापार वं नल
 श्रीसीधी भगमेस्पत लाधी भग ते सुप ता जया गंगा वल वती प्रपम
 गतर नाम दुह तीया वल सुती तीरी तिया व सला दा देवी नतु की
 गप्रियं मो जी गरीया वर तपो त सस्वसी अहि ती ॥ १॥ चक्र
 समनी नल ॥ ५॥ नहुत्या दीवी की चकी न स स्वं हीती श्री गरी ती
 सन स व्यासा पुव ई व स पक

[illegible]

11201

तः सत्यमेति मंदपानासतिः तातीसीतस्वासनी सीतसात रात्रकुशयेसीत भीस्वासाग-
नासीधः ८०० वैरीरासस्वर्ज्वासायोन कर्तुमदिताः सर्वेऽपि श्रेयससुखं जलति प्रतीक्षी
तुः ८०० वैरीसीतवीस्वासगर्नु शीर्षिद्या शरद्व तौमनुषे रक्ष का दुय्या मावा हसित्याने
अस्या प्रता जसो गरीस्थिर्गृह तस्यैपदीयास्वपाहिदः ८०० धनधने प्रायो श्रेयवीद्या संग्रह
सौ पुत्रः आहार लेबहारे बु तैक लगा सदा भवेत् १००० जनक माई दध न प्रवेग दा के हसिस्तु
तु सग्रह गदा स्वा दतीया दीदा ए ती भो क मा ल डान मानः १००० म गुरु स द इ मि मा ता न गुरो
डास स पीताः यस्तारति माहा चोर स सारो द धी दुलारः ११०० गुरु वरा वर आ मा ना न य न दीध
इन गौ गुरु लेसंसार समुद्र नत्सीसक नुता री दीधनः ११०० माता गंगा ह ती र्थ सी ता मु स क
मेव च गुरु के दार ती र्थ च माता गंगा समात्म पुनः १२०० आमा गंगा वावु पु सु कर ती र्थ
गुरु के दार ती र्थ न वरो वर सुनु माता मन्या गंडा वरो नर मानुः १२०० वीद्या रूप कुरु पा रा भ
मार पं तय स धीनाः को कीटानां स्वर रू प नारी रूप ती प्रताः १३०० गुरु को रूप वीद्या दुर्
पसी कोट प १० मातु को ई लिको र व द हो असत्रिको रूप जती वार ता होः १४०० न च वी
दा समो वं धुन यध्या धीस मोरीपुः न था य ते सम स मो हो न आ दै वा ते र व नः १५०० वीद्या
नरो वर माई को ई देन रो ग ज ती को डा नु ग्रह देन दो रा न को वीया रो को ह दि न दै न दे जी
वरीयो को ई देनः १६०० वीद्या प्रयासी नो सी न मा यो मी न गुरु मु च आ तर ह्यो च धं मी

न धर्म मीत्र मरतनः १५॥ वीदेस मा वीक्षा मी त्रुहः धारमात्वा सनी
 मीत्र तुहः रोगको भौ मीत्र तुहः परता को धर्म मीत्रः १५ पुरा भीमा धी
 वीक्षा अज्ञति भोजन वीथ वीथ गो की परी प्र स्व रज से तत नी वीथः १६
 परीया गरीयस्ता वीक्षा वीथ तुह न प भी कुला वा वा को भुन वीथ ठेर प
 रीयार क गाला लाई वीथ बु धालाई तत नी वीथः १६ अत्र ना भ्या से ह ता वीक्षा
 नीति हा से न है ता सत्रियः कु नी ज्ञान हत जेन भृते दो बै र ता नृपः १७॥ श्री
 भ्या ह्य ग भ्या वीक्षा न ही हन सदा हा स न्या स्या सनी नासीदि वीत्र घटीयमा
 वेत नासीदि कुम मी भ्या गाना नासीदिः १७॥ स से पुत्रो न वी दान स्या न
 सुते न च पं दीत अ धमा रु कुला तसे नष्ट न दे व सर्व रिः १८॥ युस्को द्योरा
 प दीत व नी हिन पुद्गी अरि प नी हिनः तस्को कुल बड मा भया कोरा
 मी उ अंध्यारोः १८॥ सर्व रि दीपक अड प्रभा ते वीदीपक श्री जो कया
 दीपको धर्म सुपुत्र कुल दीपकः १८॥ एनी को चक्र मा हो री नको दीप सु
 यो हो ती नै जो क को दीप धर्म हो कुल को दीप ल पुत्र हो गुन जा न वीक्षा
 सा धु धर्म अना ह ले भया कोः १८॥ तने ता नो प ने ता नो य लु वीक्षा
 प्रय दती भन दाता भय नता प चै ते पीता स्मृताः २०॥ ज्मा ई न्याः १॥
 प्रत वं ध वीचा हा दी गरी दी न्याः २॥ वीक्षा प नू ई न्याः ३॥ अ न दी
 न्याः ४॥ अभा द दी न्या भया दी छी र द्या गन्याः ५॥ य ई पा च पीता
 भ न्य दनः २०॥ गुरु पत न रि ज प नी मी नी य नी त यै व चः पत
 नी माता स्व मात य पं चै ते माता स्मृताः २१॥ गुरु पत नी गुरु माता
 एता की पत नी रानी २॥ मीत्र पत नी ३॥ आ पूरी सत्री की माता ता
 लु ४॥ आ फ नी मा ताः ५॥ य ई पं च माता भन्या को दनः २१॥
 एता ये ते भव र्जा सादि शव की नी पा द ये त स प्र से को द से भव
 पुत्र मीत्र व द चरेतः २२॥ पं चा वर्ज स्म र ता नाग गु व हा ई प्रा

या नमो नमो

तदसर्वस्म सासना तादना गर्नु त्वर वरिलाग्यापदी पुत्र कन
 मीनवरोवर वीवहा गर्नुः २२. लाहना हह वीये साताद नाह हा
 वीगुता तस्मात पुत्र वसी मे नस्स तादये न तुला ये त २३. ला
 लनाग्या को वदी दो छद तादनाग मा को वदी गुनद तस्मात् पुत्र
 इति मे तादने गर्नु लाहना न गह वुः २३. रुच्या भ्यास्व ये दी स्याता पु
 जया कीये जेन ता वुभो यदी न स्याता पुजा या कीये जेनः २४
 वीद्या परु मनपनीद प्र भासपनीगदित वधी न भयाप नीजा न्या
 रुद गत्ता परु मनपनीदिन प्र भासगदे न रुकीले का रुदनः २५.
 पुत्रस्तु वीवीये हा स्तौ नीयोऽप्य सततं रुधे नीतीडा वुकी सपना न
 वती तलु पुगीतः २५. सा-या मनु के लाई दी तह रु लाई प्र ने क हा हा ग
 माहा रु नीती जा न्या वुकी वित भया लो कटे पुजा गदिनः २५.
 वर पुत्र की माहे ले मवओ भार नह क पअरु तल पुये तेरा गा पअरु
 रदी ने दीनेः २६. हे पुत्र अलसीनगर व रु नप रुच भारी वी क-मा
 हो सा पअ्या दे वीरा जलेपनी पुजा गदिन तसर्थ दी नदीन यद्या
 २६. गुन रु कीय ता पे व कीमतोने प्र मो जन वी की ये तेन घरा
 था रुदन माया का गाई हाई गरा मा छं अवा ध्या लोपनी को ही ही
 देनः २७. नरसे भरन रूप र पस्या भरन गुन गुन स्या भरन जान
 जान स्या भरन अ मा २७. मनु के को गह ना रूप तो रूप को गह
 ना गुन तो गुन को गह ना जान हो जान को गह ना अ मा तह रुः २८
 गुन वद सी मा रूप इति वद स्या मा कुल सी छी पद स्या मा वी द्या
 म भग वद स्या धनः २८. अगु न से ह त र व प्र सी दित से ह त
 कुल अये अह ता वी द्या अ भोग से ह ता धनः २८. गुलान भया
 रूप वी अदि सी लन भया कुल वी अदि सी ली न भया वी द्या वी अदि

भोजनगमा धनवेधः २८ः गुरास्य भुजाय तेहप सीरु भुजा
 येतं कुरुः सीरु भुजा येतं वीर्या भोजन भुजा येतं धन ३०ः ह्य
 को स्वभा गुरालेहः कुरु को स्वभा सीरुलं हं हः वीर्या को स्वभा ह्य
 धीरे ह्यः धन को स्वभा भोजनलेहः ३०ः सुकुरु यो जयेत न्यायु
 व वीर्या सुयो जयेतः वेसने यो जयेत गुरास्य धर्म नीये जयेतः ३१ः
 वेसकला माद्योरीदीनु वीर्या को जये भ्यामाद्यो तलाई लाईनुः वेसन
 को भ्रम्यासमा हानु लाई लाईदीनुः मीत्र लाई धर्म मा लाई दीनुः ३२ः
 ना लु बा ह्यरिव रो मे हर्ना तीनीर्मलसातल वेवसाय सहाय नाराणा
 तीषारो रो रधिः ३२ः उदे माग न्या लाई सुमेत पनीई घो दैन
 उदे नगरिरह न्या लाई रसातल पनी गही रो दैन ए कहो रो ला ग्या
 लनु ह पनी तरील क नु दैनः ३२ः श्लोकेन वत द धर्म न्या दे नैका
 धरेनवाः प्रवधे दीवस कुर्य दाना धेयु न कर्म भीः ३३ लेक श्लोकेने
 मय ता पनी आधा श्लोकेने मया पनी लेक पाईले मया पनी लेक
 अदिर मनी कन पनी दान गरी कन पनी यतीले दीननी ताई नु रवली नगा
 रनुः ३३ः योजनगा ना सह स नानि र्त मया ती पी पी लीकाः अग दने
 नते यो वीर्य मे कन गद्यु तीः ३४ः कमीला हल हजार न को तीस
 भये पनी ह को होरो ही दी रसा पु क दनः नही मा दे वी गरा पनी ह्य क
 पाई जो पनी जा देनः ३४ः शनौ रथ हाने वीर्या हाने पर्वत राय
 ते हाने धर्म स्व क म न्या याम न च हाने लानेः ३५ः धन क नाई
 दा वीर्या पदाई दा पर्वत मा व द्याई दा धर्म ग द मा लगी तल
 भा वग द किही पनी अमग दा लुला लुला ग नु हत पतग र्ध
 ३५ः गुरु भुक्त भव्या वीर्या दुष करे नी धने नवाः अथवा वीर्या
 या वीर्या ननु र्धे नो पल मते ३६ः गुरु को सुला र गरी वीर्या पाही द्यः
 धिर भन भया पंदीत जाल्याः अथवा धर्म को वीर्या दी भर्त्ता वी

घा वा ईदः यौ यो ई पा य वी द्या पा ई न्या दैनः ३६ः ए का शर
 प्रदा तार यो गुह ना भिम न्यते नान यो वी हा त गत्वा चा दले को
 पी जा योतः ३७ः ऐ के अ दार प पा ई न्या हा ई पनी जोगुत म नी मा
 दैन ते स ले स पो यो नी कु कु को का दार मे न्न रुदः ३८ः पुस्त क
 ते या ची त ना ची तं गुत स नी चैन हो गते हा भा म ध्ये गाल ग म ई
 व स गी यः ३९ः गुह ई ई पा ठ न ही आ के पुस्त क ते री जोगे प पा द
 भा म ध्ये हा गाल को ग भि वा त म पा को वा ल म कै लु हा ई दैन त स धी
 गुह को गुह वा त सु नु प र्द सी ती ह लि म ना ल ले पा दी ते मी व स ग
 तः अ वै र ह र रा वी द्या पं चै ते चा भू यो न यः ४०ः सी ल पा
 लु मा नी स को सी प पु सी लि मे र ह द नु अ ल सी न म नु प दी त हु नु मी
 न को स ग र ग्र नुः स्ती गु न जोगे द न कै ले पनी ना सी दैन यो ई न नी
 चो र न स क दैन ४१ः न ही ज न नी ज्य व व डे ल स ग न गु च
 ले गु हा गु न न ता या ती प यो द धी द्यु त य थाः ४२ः ज न ले
 जोगे ह यो हु दैनः गु न ले जोगे हु द ग ली उ द मं द्या द ही म द्या
 ध्यु अ य हु द त ले ज न न प दी को अ य हु दः ४३ः की कु
 ले न वी ला ले न गु न वा न्यु य ते न रः प नु व स वी गु को प नी
 गु नः की क री पे तीः ४४ इ लो कु ल ले न या हु द ज ल्को गु न दः ४५
 ले को पु गा हु दः लु च न स दे वी मा या को ध नु दः त प ता दो दो री न
 म या को ले वी हु दः ४६ः की कु ले न वी ला ले न धी द्या ही न
 लु चो न रः अ कु ली नो जी वी वा लु दे व तै र पा पि पु जे ते
 ४७ः व दा कु ल मा ज न म्या प नी वी द्या न म मा लु मा ई दैन
 कु ल मा की कै द त प नी प दी त म या दे व ता ले प नी पु गा

अ द न
 जा ते
 ता हा स
 ४३ः
 द मा ई
 व ते हु
 प दा
 त की ग
 न न ह
 ४४ः
 दी त
 म या
 ग द न
 म ज
 नी
 रु वी
 द्या
 ज ना
 लु
 गु
 न ही
 न न

ग्रह ४२: नावाधी मजनेना वया वत पार नग्रह तीर्त तीरान
 गाते पारै नो काया की प्रयोगन: ४३: साहा सम पारी गया को दैन
 ताहा सम दुगा लो ग दन पारी तरी श्री लो पदी दुगा को व्या नातद
 ४४: गुन भडा ल वैले पुगा गद वावु को नाम चाही दैन वसु दे व को दो
 रा माई ल वैले पुगा गद: वसु दे व लाई को ही पुगा गदैन: ४५: गुरा कु
 रते दु र व पु रे जी विसा सता: केत की ग वना घाये स्वय ग द ल विदु
 प दा: ४५: गुरा सो द ता रा मया पनी नजी के द तु ल्या उ द: जलै के
 त की ग वन भूम रा लो जी ज्ञान दन ल सौ: ४५: वी द्या ल व न ल तो
 न नही तु के पता क मो ल दे हो पु गे ते राजा वी द्या न ल व न्नि पु गे ते
 ४६: वी द्या वत हुन वरा न दैन ल ज ग्रा म्हा दे स मा कु लो प
 दी ल जो दन ल व न्नि ग या वी नी पु गा ग र द न: ४६: हे के पु न
 मया पनी ल पु न मया कु ट क न वी द्या वत ल मृ ले प्र व का स
 ग द न लो व दू मा हे ल व न्नि उ द्या रो क द न ल सौ: ४७: वी द्या द्या
 म ज न क वी वी द्य वे से भा न न उ मा यो म ज न क वि वि वि
 नो म ये म ज न: ४८: को ही म नु से वी द्या का पा न द न: को ही
 रु वी का पा न द न क ही ला ई वी द्या पनी कु द न क ती ला ई वी
 द्या पनी दैन: ४८: नृ त कि री नो व शान म ती गु ला
 ग ना: मु व क का क व म र व मी रा ते नै व म ने र ४९: क
 ल हु न्या र द ग्री द न न मृ दु द न: गु न वत म व पनी न मृ दु द न
 मु द्या को का पार म र्व म नु से मा वी न्या द न मृ दु दैन ५०
 न ही क मा ली म ल्या रा स धा को हे धा ज ये म नु दे त: आ हा मै थु
 न नी द्या त धा ला धा प म व न: ५०: चा थी क ल धा का स

[illegible]

आकृनुपहीले को काम माता तोर हु न्या धर्म काम शब्द
 सब रत्न को यही ध्या गन्य विनीत रहन्या उदे मज दे रह
 न्या हस्ता लाई धर्म धी का री तुल्या उनुः ५६ आ यु के दे
 कृता भास सब हा प्रिय दर्शन आर्य हित गु तो वेत दे
 भ वै धो वी ध धि तेः ५७ वै दे सा सत्र मा शुभ्या सत्र
 न्या सबे भी क जान्या दे ध दे ला र्व सी ला ग दो व दा को
 सी ह म मा को य स ता वै दे नु ल्या उनु ॥ ५७ ॥ वी तु
 नीता म हो दु क्ष ला सत्र जो मी छ पा व क शुची ज्ञान
 थी न स्व च व य का र प्र श से तेः ५८ ॥ वा वा व रा मु दे वी
 जान्या य पात्र सुच्य र को म ह प्र ग हु न्या दे ला नति क्षर
 हा व सा सत्र समा लो की य ब र्ण र्व क र्छ चे तेः ५९ ॥ ऐ क वे
 र सु न्या को समु क न्या या दो मु क गरी ते र्व न्या स वं ली
 वी जान्या स व सा सत्र दे मा को ऐ सा ॥ ६० ॥ ऐ र्व क भनु
 ५६ ॥ इ गी ता का र त तो जो व र वा न प्रिय द र्नि नः प्र प्र मा
 दी त पा द द प्र ती हा र स र्छ चे ते ॥ ६० ॥ आ से प्र मी
 प्रा प ले कृ न्या व र्णी यो दे ल द र्व सी ला ग दो म ह का
 र न मा या को व हु त व तु र स ता लाई का त्या भ न दः ॥ ६०
 स स त सा सत्र व दित च जति म म ध म ये र्वे र्व
 गु तो वे त ले ना धी धो वी धी धा ती ॥ ६१ ॥ स व सत्र को म
 ता शा न्या म न दी त ही म व त ग र्ज जे र्वे वा ना सु र का
 गु न म मा को ने ला लाई त र्वा र म न्या को ६१

समस्त सासत्र जो वा हये लो परा शित सौ पे वीर्य गु तो पे
 लो भ्र-वा धे सो वीर्यिये ते ६२: एक सा गीहो न शान्वा
 प्रसवारी मा कुसल मया को सुते पनी द पर क म पनी दय
 सा ला ई त वे ला को प्र धी कारी तु ला ई नु: ६२: मे धा वी का
 क प दु प्राज्ञ प्र चीतो पत द क धी री य धो क वा दी च य बु दु
 ली वी धी य ते ६३: एक वीर म न्या को स म मी र ह न्या को
 ल द य तु र य रा ई को पे ट को कु रा शान्वा बहु त धी र रा
 स्ता को त लो वो ह न्या ह स्ता ला ई दु त म नु ६२: वा धी
 व से च म ते से व दा मी गु ला ल द रा वे न स व धी ते रा शी
 म द गा ला धे व न: ६४: रा शी को पनी चा क को पनी गु
 ल क न म न दु ग्या मारी रा शी पनी व ध ह्ने क क द: ६४
 भूत य व कु ली ना रा द पा कु र ग ती सा ध वे ग्रा दी म च्या
 व सा ने पु न ते ग्रा से नी वी की द्या: ६५: ह लो ग ह न लो व
 दा कु ली न को स ग द या सा दु श न हे ल ग र्दन ह स्ता मा
 ल प ही ले पनी ना क मा पनी यी द व ल पा दे न ६५
 प दा कु गु रा: स वी मु र्खे दो का ल तु के व ला: त स मा मु
 र्ख स ह से वु प्राज्ञ व क प्र स से ते ६३: प दी हि ह र्दे
 ई स व गु रा तु द न: मु र्ख ई ई स व दो व मा तै
 हु ह त स्का ल न मु र्ख ह र्द न दा य क सा न्या व
 धी द्या: ६६: प्राज्ञे नी यो जे ज्ञाने तु ल ती रा शी स ने
 या गु रा: व स स्व र्ग नी वा स: य पु ष प र ह स्व व न्ता

गनः ६७ः॥ ज्ञान्यानुधीयत कनका मलाया वदी
 राजा कन तनिगुन हुदन वलहुद स्वर्ग प्राप्ती हुद
 नः धनपत्नी धेर मी हुदनः ६७ः॥ गुर्वनीयो जे मा
 ने तुन दो दो रवा मही ये ते प्रपल धा र्जिना स स्व नर
 के वतन कुमः ६८ः॥ गुर्वकन का मलाया तनि हुद हुद
 प्रपल वलः ॥ धन को ना सः २ः नर क मा नी स्व य वदी ६८॥
 मा द भु मी धरो नी ते चर्म का मा र्जि सि ध येः गुन वत
 नी यो जे ते गुन ही न वी व डी ये त ॥ ६९ ॥ त स क्कार न राजा ले धर्म
 का म धन व धा डी नी मी त गुन ज्ञान्या मानी स लाई कां म ला डी नु
 गुन न भया को लार व जी ति गुनु ॥ ६९ ॥ यत्की चीत कुरुते भूते
 सु भवा यदी भा सु भम ॥ तेन सं वर्धिते राजा सु कृते र दु कृते र पी
 ७० ॥ भूते भनु चा क ले व यत की चीत पा पर पुराण गोरु वनी
 गुन वत कन का म लाया वदी त सै री रा म रा ला ई वा व पु
 री ग मा यनी त ३ मी को र नी गरी दी द ७० ॥ यथा हे
 म परी क्षेत ता प ता द नं मे द नै ॥ तथा पुरुष म पे स वं क ल सी ले न
 कर मता ॥ ७१ ॥ ज्ञा स्तो गरी सु न को परी क्षा पो ली हा ती का ती हु द
 त सै री गरी म नु पे ला ई य नी क ल ले सी ले कर म परी क्षा गु नु भा
 हा वा ही द ॥ ७१ ॥ ज्ञा त ष्याः प्रे क्षो भू त्या वा ध वा व्य स ना ग मे ॥ आ
 प त क ले त था मी त्रं भा र्या य वी भ व क्ष ये ॥ ७२ ॥ को ही कां म ला ई वं

भाइ बन चाकर को परीक्षा गरी जानुः भाऊ लाई दुष पचा मा
 ननु भाई चीन्ही दन भापती पदी मा मीत्र का था हा हुं दस
 नीवी चार धन सकीया पदी जानी द ॥ ७२ ॥ भृत्या बहु वीधा
 रोया उति मा धम मधे मा ॥ तेनी पो न्या पो था योग्य नीवी धे धे
 व कर्म सु ॥ ७३ ॥ चाकर भन्या का धे रै प्रकार का हुं दुः उत
 ममा ज्ञापती याती जस्ता लाई तस्तै काम नी चार गरी लाई नुः
 ७३ ॥ प्रालसे मुखरं करं सधं ये सनी न सं ॥ प्रसंतु स म
 न तं वत्त जे इत्यं गारा धी प ॥ ७४ ॥ बहु तग्न लसी दी चरो
 को धी लो भी प्रधाया को न मान्या वे सनी धरत प्रसंतोषी सेवा
 रागर न्या सता लाई चाकर गारा ननु ॥ ७४ ॥ त्ये जेत स्वा मी न मं त्यु ग्रं
 मत्यु ग्रं दुष राते ज्येत ॥ दुष नाद वी से जस्त समा च दूत ना स नं ॥ ७५ ॥
 भृती रो स्वाहा भृती हुपा लीह सत्ता मी कन छो दुनु हुपा नी
 भंदा पनी ग न्या को र न पनी ग न्या को था हान पाई न्या ते सै
 भंदा पनी ग न्या को मीही नत नायो लाइ न्या लाई छो दी हा
 ल नु ॥ ७५ ॥ वासा भाई सुतो मुख प्रेटव को नाग वी चार क नी
 सने से वं धुव र्ग च ते ॥ जे दसे मह त सुख ॥ ७६ ॥ अहाहा
 को उरो छो दी अर कै शो क ग न्या स्वा ह मी मुख छो हा कुरा
 को वी चार ग न्या चाकर पीती न भया को दागु भाई हती धो
 क लाई छो या चरो सुख हुद ॥ ७६ ॥ न क सी तं क से वी न

मा नीत्र नक श्रीक से नीत्प्रायेः कारना देव हाय तेनी^{५८}
ना नीरीपव सवा ॥ ७७ ॥ कैसे को कोही नीत्र पनी छैन कैसे को
पीया हो पनी छैन कारनी तेनी बहूदः कारनी तेनी बहूदः ॥ ७८ ॥
करी श्री नी ते ते लोकोन लोक परमा श्रीः वृ श्री भय द व
परिते जती माता ॥ ७९ ॥ आफ ना काम कामी नीत से वांग द व
मा श्री कामी त को ही ग दैन न न वा द्यो पनी दु द सकीया पदी गा
फभा गा माता ई द्यो द द ॥ ८० ॥ कतो वेस नी नी नी दु प्रा त प
से क तो रतीः कत हो वे दरिद्र से दुर्ज से कतः समा ८१ ॥ गु वा
री वेस न ग गा हाई नी दु दैनः आस तो ही हाई पीती दु दैन दरी
हाई सु च दु दैः दुर्ज ना हाई दमा दु दैन ॥ ८२ ॥ तस्कर
से कतो जाने दुर्जन से कत समा ॥ वस्या स नी ना कत सने
ह कत स च कामीन ॥ ८३ ॥ चोर को मान दु दैन दुर्जन को
दमा दु दैन वेस्या को पीती दु दैन छिना की सते दु दैन ८४ ॥
दुर्वल से बहू रा जा वा हा नारे दन वल बहू मुख से मौ न ल
वैरा नाम न त वलः ॥ ८५ ॥ नीर्वलीया को बहू रा जा हो वा रा व
को र नी वल हो मुख को न जो ल न वल हो जो र को मु मु
अ वोरा नु वल हो ॥ ८६ ॥ अना था ना दरी द्र ना ना
न वल त पल पीनाः प्र न्याय परी मुता ना सर्वे वा
पा श्री नी गती ॥ ८७ ॥ कोही न दु द्र अना थ को दरिद्र
को वा रा व को बु चा को तपसी हत को प्र न्याय प

न्या स कर राजा मात्रै गती प्र की दिन न ॥ ८२ ॥ व्याधीत
 स्था धर्हीन से सनु भी सन्न सीत से ब हय हो क दग ध ता
 से सु हृद हीन नौ व धमा ॥ ८३ ॥ तेगी को नी ऊनी को
 शत्रु को दारे प्र कहु न्या को हृद प्र मा हो क हो द ध्या को
 मनुष्य को प्रौ बल ज्ञान को द र्म भ द्या स तो य हृद ॥ ८४ ॥
 प्रा नुरे व स ने प्रा प्रे ड मी प्रे शत्रु वी ग्रहेः राज दारे स
 प्र साने वाये स्त्री वृ ती स व व वं ॥ ८५ ॥ ते ग भ द्या मा
 को ही व दो भ्रा प त प न्या मा सनु संग अ ग दा य मा मा
 राजा का दार मा सम सान जा दा मा ग्रा ठ न्या बां धा व
 त से लाई मनु अ धी प दी को क्य हो ॥ ८६ ॥ भा व सु
 धी मनुष्या ना जा त व्या सर्व कर्म सु ॥ भा वेन बी
 वी ता कां ता भा वेन दु ह ति ता न ता ॥ ८७ ॥ मानि स को
 ज्ञा सु वै काम भा व ना ज स नै ग न्यो त स नै भा व सु धी
 रु द्ध भा व नै मा पा य पु ने रु द्ध स न्नी का न पु मो न प्र
 ही ग न म नी भा व ले ग दः दोरी का पु मो न का र व मा री
 उ भी नै भा व ले ग री द्ध ॥ ८८ ॥ न दे वो वी दे ते का के
 पा बा ने न ब म्भ राम येः भा वे सु वी दे ते दे व स्त
 समा पा म वो म ह त ॥ ८९ ॥ का शु मा पुं गा
 मा मा टो का सु ती सिा दे व ता दे न शा ला
 भा व ना ग यो वा ही दे व ता रु द्ध
 स व दे वी वि दो मनु भा व

त दिन ८६॥ इति ध्यानादेवता चार्थो ज्ञानमा चार्थे देव
तादेवता यो वीतां भर्ता ज्ञाह्म रो ॥ ज्ञानदेवता ८७॥ इति ध्या
को देवता गुह्यो गुह्यो देवता ज्ञान सत्री को देवता बहु
सर्वे को देवता ज्ञाह्मारा ८८॥ ८९॥ वीप्रयसे यथा
वर्द्धिमा चारय पत्नी देवता पत्नीयसे यथा माता मीना य
से यथा मत ॥ ९०॥ ज्ञाह्मारा हाई आशो ज्ञाह्मो देवता गुह्य
हाई देवता असो ज्ञाह्मारा हाई यथा ज्ञाह्मो मीना कन दो
रा ज्ञाह्मो पुत्र हाई पत्नी मीना ज्ञाह्मो देवता ९१॥ गुह्य रग
नी धी ज्ञाह्मो वनीता ज्ञाह्मो गुह्य परी को गुह्य सत्री ना सर्व
स्याभ्यागतो गुह्य ॥ ९२॥ ज्ञाह्मन गुह्य मीनी नारे नरी को गुह्य
ज्ञाह्मन सत्री को गुह्य पुह्य सर्वे को गुह्य मीनी ॥ ९३॥ इति
ज्ञाह्मन सत्री को गुह्य पुह्य सर्वे को गुह्य मीनी ॥ ९४॥ इति
ज्ञाह्मन सत्री को गुह्य पुह्य सर्वे को गुह्य मीनी ॥ ९५॥ इति
ज्ञाह्मन सत्री को गुह्य पुह्य सर्वे को गुह्य मीनी ॥ ९६॥ इति
ज्ञाह्मन सत्री को गुह्य पुह्य सर्वे को गुह्य मीनी ॥ ९७॥ इति
ज्ञाह्मन सत्री को गुह्य पुह्य सर्वे को गुह्य मीनी ॥ ९८॥ इति
ज्ञाह्मन सत्री को गुह्य पुह्य सर्वे को गुह्य मीनी ॥ ९९॥ इति
ज्ञाह्मन सत्री को गुह्य पुह्य सर्वे को गुह्य मीनी ॥ १००॥ इति

भक्त का मुह रागाहुन तपका मुह प्रा ली नहुन तस्का न
 स धा न्मा प्रा हुन न को पुहु दन ताहा सर्वदा भक्त हु द
 नास हु दैन ॥ ६२ ॥ आचारान्तर ते धर्म आचारान्तर
 राते धर्म आचारान्तर मा प्री ती ह्या वारो हते लक्ष्मी
 ६३ ॥ आचार देवी धर्म रहु ॥ आचार देवी धर्म पनी
 रु द ॥ आचार देवी धर्म सर्व काये पहा दन भक्ति ले आ ली
 ६४ ॥ भक्ति ले भक्ति नास हुन ६५ ॥ भोजे भोजन शक्ति स्वर
 ती शक्ति वरि सतीथ वी भवे दान शक्ति स्वर न ले ते तप
 स ब्रह्म ६६ ॥ रान्या कुले रानुस क हुनु दरी स्त्री लीत न
 गपनी गरनु ॥ स्कनु सपती भै कन दन गनु स्कनु हती
 सा न तप स्या ले लु दैन ६७ ॥ वाले वेव चरे धर्म मनीते
 रानु लक्ष्मी वी न पहा नाम पिप को ना शा स्व तप त न न वेत
 ॥ ६८ ॥ वाह केम धर्म गनु जीव नु भन्या को भक्ति ले भरे भो ह्री
 के ले म न द द्या हा दैन फल पनी पा क्या भव से न द त
 लो शक्ति वनी भनी जानु ६९ ॥ लद भसे ह तो धर्म को धर्म
 नैव ह त ॥ तप ग्रा द धर्म लत शा न प्र मा दे ने ह त न त ६९
 द भि को धर्म भव धर्म को धी को तप वे धर्म द धर्म न हु न्या को
 जान वेर ७० प्र मा द ले प मा को वेर वे धर्म ७१ ॥ आ दी प्रे ग
 नै ह तो हो म ह ता भु गिरि ता शक्ति ले प नी ध्या ह ता क न्या
 स्वा धे पा कह ता की ७२ ॥ आ गनी पा हो रीति न भै लो म ग
 न्या को वेर धर्म आ फ नो मीति ना न पा का या को वेर धर्म

६७॥ दरीझ्या धी दुवा नी व च न वे स नी नी च अ दा तु फा ला
 ने ता नी ति स्म द न वी सी से ते ॥ ६८ ॥ दरीझि म पा को रो ग मि
 पा को व च न म पा को के ही वे स रा म पा को य ती थो क म
 छि त ना इ न्मा द न न ग या को हो त स का र रा ग दे र ह न
 ६८ ॥ पु रु का ई व धा ने बु पु नी का इ व न गु बु ता द सा से
 म नु के बु ये च च र्म व ही क ता ६८ ॥ धा न का प प ता ॥
 स्ना गंतु मा का धी ची मी हा इ स्ना च र्म न म पा का म नु के
 त स्तो हो द ॥ ६८ ॥ ते ने दु र्ज न सं सर्ग म न्न सा दु स मा ग म
 क स पु ने म हो रा न्म स्म र नी ते म नी ते ता ॥ ७०० ॥ दु र्ज न का
 सं सर्ग हो दी सा पु का स ग ग र रा त दी न पु ने ग र नी के
 स्तो सं सार म्म री ते म नी चां न क म्म खी ले सी वि हि र हा
 ई मं दा म पा ७०० ॥

ई ती च न के सा र सं ग्रे ह प्र ध म स त क स्मा पु ॥ ५ ॥
 सा स न्न र्थ च बु धा वी हा न र दो र नी ति च च बु धा वी
 ता रे का र च बु धा ॥ ५ ॥ प दी त सा स न्न म्म री ले हे दे न रा जा
 नी ती को म्म री ले हे दे न वे द का म्म री ले ग्रा ह न न हे दे न
 म्म र्म म नु के च र्म च बु ले हे दे न रा जा ध र्म नी ध र्म वि
 पा पे पा पाः स ने स्मा रा जा न म नु व र्म ते प्र या रा जा त भ प्र
 जा २ ॥ रा जा ध र्म वि म्म री प्र जा प नी ध र्म वि म्म री हु दे न
 रा जा ध र्म वि म्म री प्र जा प नी ध र्म वि म्म री हु दे नः पा प पु री व रो व
 रा जा ध र्म वि म्म री प्र जा प नी हु दे न रा जा ध र्म वि म्म री हु दे न
 सो हो प्र जा प नी ग र्म नः २ ॥ ७६ ॥ म सा क स च र्म वी वि
 धी प रा क म्म म्म दे ते म्म री ती वि त स्मा दे वो पी स क ते

३॥ ई देन मयो साह मया यो धेय मयो वल मयो नु
धी मयो पराक्रम मयो दातृ मुन जसे ई देन त समनुये
देवी देव पति पति ई देन ॥ ३॥ सा मया देन न भै देन क्रम न
च वलेन च सर्व स सतु सदा स गृहीत नी को नरा धी धेय
प्राप्त सा ले स पथ गरी के ही को रफा र मया पराक्रम लेया
ती धी कले गरी पनी स्वर्ध्या सन को ना संग नु ॥ ४॥ याने
त्या गरी गुने रागी भोगी वर जिने सह सा सने वो धार ने पो
धाम पतेयं बल दान ॥ ५॥ यान को वी चार गरी दान दानिया
गुन प्रीति शान्ति व्यापन ना पारी वार संग भोग गंभीर पारा
ई का मया प्राय पुत्र न्या लग राम मा सुर नै सुख गान्या ई
ती पांच धोक गुन मया काला ई प्रभु मनु ॥ ६॥ ई मया नी
पाते न सुरो भे देन द्यो ज द्योत लु धो मय धि दने न सम
न तुले प्राक मे ॥ ७॥ वदा ला ई प्रती म गरी हात ली नु ॥
ना ता दी द्र पते धी द्या वी द्या दी द्र प्रस च ॥ गते तो म ई का
गानी परा भाव च ल दाये ॥ ८॥ अ पुर दी द्र प्र क लाई न कह न
परा ई का दी द्र गाये प्रा कृते बु कुं रा ख नु प्रा कृ प्रंग
क दु वा क ले लु का द्या ज लो र ॥ प्रा गर म परा ई को मा व ध
प्री रा ख नु ॥ ९॥ मन ला ची त ये त कां र्ये व व सा न प्र का
स ये त स न ल भ न गु धा त्मा कार ये सी धी स व ज्ञा पते
॥ १०॥ मन ले वी ता या को व च न ले प्र का स न गर न
म न ग स तो गु प त गरी कार ये रा न्या ला ई सी ध ह द
॥ ११॥ ई प कर या गु ही ते न स न ना स नु म धरे त पा द ल
ग ते क र स्थे न क ठ के ते व क थ क म ॥ १२॥ ई प को र

गरीसगुलाई हात जी मिकी दान को काम गरी दी पाई न ची
मया का धाका ठे हो भी की भ्रातर रा नुत सने ॥ ५॥ वसे दनी
रस्क धेन पाव का पा नी की प र्थ प त थै व ना गते का रो भी द्या
त धर भी वई मनी ॥ ५०॥ आ पूरा वी पती मा का ठ मा हा ली क
न प नी स नु को का न गरी दी नु का न काम लाई व न्हा ई न ज
व काल आई आ पू भयो त व भरी गा ग रो पान को भु गान ग्या
कली को जा भी डान ॥ ५०॥ हे ज हि क दु सरे रहे म भुर दी न
भाषा से म भुर व द क ल्या नी लो को ही म भुर प्री द्या प ॥ हे ज हि
ती तो पीटी न नी को मा द द स म भुर क्था त न्ना दै न स न न की
न बोले भी थो डे डूरे बोले हे क ल्या नी लो क स वै म भुर न की को
मा द द न ॥ व ज हि गा व स ते ल ३ मी ज हि का ने नी त्र वां च व जी
हा रो न व न बा पी ज हि का ग म र न व क व ॥ ५२॥ नी
न का दु म्मा मा ह ३ नी व स ध र न नी द्र प ती भा ई प
नी म र न प नी नी स्या य डी मा मा द न ॥ ५२॥ प्री द्य
वा के प्र दा ने न स र्पे त्ते बे ती ज त व त्त मा त दे व व क्क वे व व
न का द री द त्ति ॥ ५३॥ मी थो डे रे वी ल्या प दी स वै प्र
ह म ह द न त स र थ पी द्या रो डू रे वी ल नु व व न मा न्ना
न द री द र न हु नु ॥ ५४॥ अ गी नी से ग र द स वै व स न
न पा नी ध र्मा प हा क न्ना दा रा प हा री च न्द ते भा त
ता नी प ॥ ५४॥ व र ना मा गो स ल का ई दी न्या वी व
ठु पा ई न्या हा त ले ह त री हा र ली का त नु अं ता न्ना
व न ह र न्या स नी ह र न्या वी त ह र न्या से ती ला
ई मा त ता नी न नु ॥ ५५॥ आ त ता नी त मा पा नी

तनवीवेदातयातामीदासातवीदासीदाततेन
 ब्रह्महातवेत ॥५५॥ वेदपाताग्रापानीग्रापुराई
 मान्नाईन्याजातताजाईलाईमारेनुतेसहीब्रह्म
 हध्याजागदेन ॥५५॥ एष चपालयेनतिसतेन
 पायननीमीतेपसेनानापुसमाधर्मतयालयत
 ५६॥ एतेधर्मनामतेनैकनामकोपालनागनुस
 नुकोसतेलाईमीमीकनप्रमाजाईधर्मलेपालनाग
 न ॥५६॥ पुषेपुषेवीरिभुपानमुदेदनकारयेता
 माकाकुरईवागानीयथाद्यानालिसारतामा ॥५७॥
 पुषाकुलतीपीकनगारेनउकेहीन्याजातनातोना
 लिलेवगोचामावीमारेगदनतसेतामालेपनीपु
 मालाईदुषनदीकनकरलाईनु ॥५७॥ अमिनित्र
 मुदालिमिध्वेथाहध्वरिगहपोनबुधेतीमदा
 त्मासद्यसर्वतनसिदि ॥५७॥ येसनुयोमीभूयोदुप
 सीयोमधेनयोधोयोगतमीनीभुजदेनयोधानी
 पावधीमयाकोनासीदि ॥५८॥ अनायवेयकर्ता
 चअनयेकलहप्रियआसरेसर्वमदीचरनसीधिवी
 नसेती ॥५८॥ आप्रभामादहनीधध्यालोवर्चग
 न्यावीनामर्थकरहगन्यारीगलाग्यामासवेधो
 करवा न्यापसनामानसिचादीनासीदि ॥५९॥ कका
 नकानिमीनामीकोदेतकोवेयागमीकसबाह
 कावमेसगतीरितीचीतीमुहुमुहु ॥६०॥ कालकौनध
 कोमीत्रधनकौदेसहोकारवयहुधक्याप्रामदध
 मकौनहुधनमरोसकीकतीकोधपोवारवारधी

स्वामी श्रीगणेशाय नमः ॥ ५ ॥ चक्रं च स्वामी श्रीगणेशाय नमः

तनागादेह नु २०॥ सीहादेकवकादेकसीधित्व त्वासी कुकु
टात वायेसा ते चलीने चषट् हनु सत्री नो गद मात ॥ २१ ॥
सीहादेवीय कगतावक धन देवीय कगता कवरा देवी चार
गुंरा को वादेवीया वंगुन कुकु देवी च गनग दाहा देवी ति
ननगुता खेती सिक् नु मं ॥ २२ ॥ पा न्त काये मने वायात
र कर्त मीदती सर्वा र मे भु ता का ये सीहादे क वी धी ये ते ॥ २२
थु लो काम मया धनी सातु काम मया पत्नी स वै को रया त दे र मे
कन सहि को हा र घाई गत नु ॥ २३ ॥ इंद्रीया नी दु स प व से
क व ते द ति न र काय का लो प प ता ती स वै का र पा र ती स
भये ते ॥ २३ ॥ स व ई द्रीया लाई क न व क धन मे मारी आया का
वेला ना काये गनु व क ह स संग ह कगन ले नु ॥ २३ ॥ प्रा गु
था त न व दू क न सीवी भागे च व भु भुः सत्री ये मा क से भु त ति
हिं श्रे व च त्वा क क क क ता त ॥ २४ ॥ वीहा ते उ ठ न्या धु भु ग
त्वा वं भु व र्ग लाई वादी धानु स्वा सं नं लाई व ते सा त भु ग र
नु स ती चार कुते कु बु त दे वी सि कि नु गुन मया को ह हा ह कि
प न ली वि ॥ २४ ॥ म च नै धु न कर्त व का ने चार प स ग र
ग्रा प्र मा दु मू वी स्वा स प च सी धे व व वा प स त ॥ २५ ॥
गो ये गरी मे धु न गी नु कर्त ह न व ले मा मा दार लाई न न
मा ता नु वी स्वा स क से को न मा नु स ती या व थो क को वा दे वी
सी कि नु ॥ २५ ॥ व हा ली चाले हा त स ड ह मु द्वा सी घा च ते न
स्वामी भ ग ह स्व सूर च व दे ते स्वा न तो गु न ॥ २६ ॥ पा या
धु रै वा नु न पा या थो री ले स न स त हु न्या थो रै न र्द ह न्या
चा दे चै त ने हु न्या स्वा मी का भ ग रा व न स री प न र्द न
या त दि थो क कु कु र दे वी सी कि नु ॥ २६ ॥ च वी सा त व से

द्वासी तो हमें नवीदती: संतव चमये नीतनी नीसी
 नेतगद नदा ॥ २७ ॥ नवीसई मारी बोक न्या बलितातो
 यानी नमान्या सर्वदा संताधमान्या इती नगदा लकासी
 कनु ॥ २७ ॥ विसते देगना प्रोक्त्यास्तु कुर्या ही शमाना ॥
 सजे दोती रिपु नस वानजेय स्वभकी बोती ॥ २८ ॥ इजो वीस
 गुन ममान्या का जो बतु रली दन स्वमनुषे सवै सत्रु कन
 श्रीतस्ति वैले जीतु नपनी दुदना ॥ २८ ॥ युध हात वधुवन
 बीती धव परसरम: पोरै एक मे माने तुपय पचोतर संत २८
 २८ ॥ तिमी सपदा सामीप चादो परसे रती माहा मावै रघा
 पनी म्मा को सुतु र्प्रार्थित गपती मीहि मी चो सुधी कसाप
 दो मनी पुष लउ रयो धन देई मन्पा ॥ २९ ॥ हीतो भीता
 च ममानो कथा वै म सातक जात यस मताया तीप प
 रपर पतल ॥ ३० ॥ प्राफु दुती ईद मनी को कुरो ले कती
 परसे वै रगटी नमी ल्या पती दा गुमाई के रीसी
 लुद न जो सत्रु होई सत्रु दुद प्राफु दुद न ॥ ३० ॥ प्राफु
 र्वेपं मनुषे रा मन्पु: सपु वत सा परसे राप कारे
 नपुस भवती वीग्रह ॥ ३१ ॥ मुर्धन दुन्या मानी स नीरथ
 चीताना सगरी परसे प्राप कले मात्र सा पुजन को
 वीग्रह होला ॥ ३१ ॥ यको दरा पय गी भाय धरत मिहार वे
 प्रासा चेता सेती मैतदा ईवप धरिा ॥ ३२ ॥ घेर पजो
 पाजई को दुई मया को मैतदा पक्षीस मुद्र मासा धना
 गरीहि दिहु: प्रपुस नुनानी नर मैतदा को नास भाप
 दन मस्त सत्रु मी ननु नु ॥ ३२ ॥ वेसन सती कु वीत

घनकेनापीसहतीः ॥ ३३ ॥ वा ॥ गोपुद् ॥ पुदासरनीप
था ॥ ३३ ॥ आपदा मा कसे ॥ भयापनी भजनागरीता
द नागरनु श्रीरामले पसुगन कोपुद्स माईमिनिग
री भ्राप्रा आपदातार नागरेदन ॥ ३३ ॥ दुसतर साग
रतीर्न समग्र वानरस्म धल प्रभु तपु वसिमेनसे तुर्व
व स्वसागरे ॥ ३४ ॥ धरे वटो मया पासनु भयापनी
हसु कागनु देन वानर गन मात्र ले समुद्र मासेतु वधना
गरदन श्रीरामले ॥ ३४ ॥ नीतिजोर मन ध्या नाम धा
नामै पुन जारे ॥ प्रसे भागे जारे सत्री ना वलत्री ना मातापो
जर ॥ ३५ ॥ मनुष्ये को जारे मया नीति हो दोष को जारै
धुन हो प्रसत्री जारा को जार पुरुष न भया को कपरा को
जव धाम हो ॥ ३५ ॥ प्र धा जरा मन वेषा मन धावा नी
ना जरा ॥ प्रमै पुन जरा सत्री नाम धाना मै पुन जरा ॥ ३६
माने सलई पक हरी ही दनु वद नही पाया दोषा
व धमै पुन ग वास मीय व घोषा को मै पुन वध हो
३६ ॥ कष्ट विता पराधीता व वासाती रासय भुतपु
वार्थ सपुगुल सर्व कष्ट दरी दरता ॥ ३७ ॥ प्रकाका
प्रधीत मया का नीतिनु व दो कथी नक से को प्रसिय
गरी वास व सुपनी कथी नहुं ध ॥ प्रगी धनी पदी क
गाल मया को पनी कथी न सवे भंदा ॥ ३७ ॥ प्रधी
को तो व्याधी तो मुख प्रवासी पहरसे व क जीवतो

पील तापंच नैले पुन भागीन ॥ ३८ ॥ सर्व दा भाग त्या
॥ ५ ॥ करोगी २ ॥ मर्ब ३ ॥ वीदेस १५ ॥ चा करी ५ ॥
ई पाच सर्व दा को जी उ दा दू तपनी म च्या वरोवर
भू भागीनी भनु ॥ ३८ ॥ दो यत्र नीते भायात म्मुक्त
चा पीदीने सतत्र लघु ता पाती पिदी सिद्ध स मोनर
३८ ॥ म्मुक्त को धर नीते जा दन नी तेन बो लाई वा
द पाती ग न्या मी नी सि ई प्र स म पा प नी हत क भनु
३८ ॥ परान पर व सत्र च पर पान पर सत्री य पर से
च ग रे वा स्व सक्त स्या दी सि पि हत ॥ ४० ॥ म्मुक्त
को म्मुक्त व सत्र म्मुक्त को च स्या मा नु नु पर सत्र गि म
न ग न्या म्मुक्त को ध मी व ह नु ई द्रु त म पा प नी म्मुक्त
ह ३ मी द्रु दु ती हु द ४० ॥ म्मुक्त यो नी च तो वी दान
स्व वे पुत्र पान म्मुक्त म्मुक्त वी च वा ना रि पुत्र पे त्र प्रा ती
स्थी ता ॥ ४० ॥ व सत्र न म पा को द न प द्या यिं दी त द त स
क न ग नु पुत्र म पा को म नु वे को च न द न त प नी ह्य क
म ग नु दों रा ना ती म पा को वी चा वा म पा की द ता प नी
स्व क न ग नु ४० ॥ वी म वे स टी पु ने ते न डारि रा नि दे
ही ना चां दा लो पी नि र ले ष द स्या सी त वी पु ल ध न
४२ ॥ ध न म पा को म नु से को स मा मा न ग द न म
नु वे को स री र को मा न को ही गि दि न चा पाल द ता प
नी जे स्का ध न व हु त द स्व ही थु ल ४२ ॥ ध न मा

हुपरचिर्मचिनेसर्वपरातीव्हीतजीवतीचिनीनीतोके
मतापतोचनानरा॥६३॥-चनभयाकोपनीचने
लोहुहुजोहचनीह्वाजीडिडाईनैकनुभक्तनुजसहो
कनाजोनीधोतीचनजीडिदाह्वापनीमरेकोवरोवरह
न॥६३॥-अस्तीसिधेदभापनेभेतवेपतनाद्रुपमःप्रतु
चसीपरातधासतेवेनपाती॥६४॥-यहुतसयती
भयादुरवयाहुहुभयाहुहुप्रतीडिधापवर्तगपावर
जयाहुहुप्रतगोभयापदीसयवसद॥६४॥-को
नभीमभकीनीतेकीसुखनीचतेगीनाचलेभयुसो
सतुष्ठाकोचतसेसुगरे॥६५॥-सवैधोकरान्या
याधान्यावीथारहुदेनसर्वदरोगीभयाकोलाईसुख
हुदेनसकीप्रसत्रीभ्रातकीधत्काकैलेसुखदेन
-६५॥-सुभीदकवर्तनीतेसुखनीतेनरोगीना
भरयाभरतुर्वसापेसेतेतीत्योसवगरे॥६६॥ये
टीगन्धीमनुकेकनमहासुक्षुह्वानीरोगीकरा॥माहा
सुखीहुजल्कीप्रसत्रीभ्रातवसदत्सकाधरती
तहुत्सवधसुखपनीतेसैहाईद॥६६॥सर्वपरव
सदुरवसर्वमात्मवससुखयेतीविद्यासमासेन
हाद्वानसुखउषयो॥६७॥पराईकासपनसवभ
दुरवलोप्रप्रासवसवैभयाकलेकोप्रकुहभया
कावतेवासुदेनसुखदुखकोलअपकारदपती

मनीना ॥ ४७ ॥ सुखस्यानरता दुःखदुःखस्यानरता ॥ ४८ ॥ सुखम
सुखदुःखमनरता नरवतीरिवर्तते ॥ ४९ ॥ सुखम
यापदी दुःखदुःख ॥ ५० ॥ मयापदी सुखदुःख तस्मान्न सुख
रथाका नकीर्त्तये ॥ ५१ ॥ बहुभीर्त्तये सुख
तस्या तैरन्यो नेपसुखमिति ॥ ५२ ॥ द्यादपती गुणान्सर्व
न्मेदीरिवदीवा ॥ ५३ ॥ नरुतैरुषको समुदायमया
पसुका केवुर्धिरा न्या काली मलान्ननु खे लो गतमे
धते सुखताड्या कोर्त्तये ॥ ५४ ॥ अस्तामहसगे
नको नपाते वमागती ॥ ५५ ॥ मयप्रोपी सैदी नीहस्ते मूदेती
ते मीधियते ॥ ५६ ॥ साधुको सग मया चटीया वीतं
मदवे च न्या लो दुःख त्पायापती नये सो ला मती दिनप
प्रसत्तचक दोर्त्तये नं ॥ ५७ ॥ मयापती मा भव सो
स्ती मीरि दीषे नस मीरि मायेते ॥ ५८ ॥ अस्ताधुति
सीतसर्ग मया साधुपती ग्रासा धुरुद ॥ ५९ ॥ मयाप
दीदी वरी वरवाटी पती उचरनाल देषी ॥ ६० ॥ इति
मे सहसगे नको नपाती समुनती म मूर्द्धा दु नाना वि
येते ग्राधी तैरु सुमे सह ॥ ६१ ॥ उतम संग मया चटीया
पती उ महुद ॥ ६२ ॥ फलसीत उ न्या कोत नयती सरिमा
ला उ ॥ ६३ ॥ की कही विती सयर्क स्वमा वी उ रती
कमः पस्या मफल म धे रथ ववायो नामल स ता

५२॥ जाहलीतलममपानीस्यभावपुनरुपेनममकापु
लभीनकोकोपोजमीहगुलीयाहुदेन॥५३॥सरलरल
भात्मध्येनीधवतीष्टीतःमधुमीरल्लाघष्टीनीमीकी
मधुराप्रते॥५४॥सवरसदेभारीहालीकननीमकाकलरी
प्यापनीमहापुदसदाधीर्देरह्यापनीनीमगुनीपिहदेन
५४॥पुस्तकेषुचयावीद्यापरहसतेषुयुधनकार्येकाहिव
सद्यापेनसावीद्यानतधन॥५५॥पुस्तकेकमाहव्या
वीद्यायदाईकोधनकमापरीग्यापाकोवेहामापोवीद्याप
नीधनपनीकामपादेन॥५५॥दुरसंधानीचमीत्रा
नीनीलतेहोसैववांधवाःगुर्जनकीकृतवैमथीनेनीध
परलानीबि॥५६॥तादाभयाकीमित्रीप्रीतिनिमयावी
नईकाकामवालीलाजग्याकोनपापाकीजसातहो
५६॥प्रपुयादुमपुष्यानीदुरस्याचलैववांधवा॥
काताचलैवेभुताचयेकालेनीपतीष्टती॥५७॥वंम
लमाकोपुलतादाभयाहोवचुवर्गभीतामालेष्या
कीसत्रीपतीकाममाप्राहुदेनन॥५७॥प्रजावचन
हीनस्वकर्महीनसचपोनरनीरथिसिजेतनापसेभस्म
हतयोयेथा॥५८॥बुचीलेहीनभयाकोकर्मतेहीन
भयाकोमनुष्येजीउनुवेधमरनीमाप्राहुतीहाह्या
जहतीही॥५८॥दागयोधनरवीआहुप्रभातेमे
घदरवरःदपतोबलहसैववसेननान्नत्रतीष्ट

ती ५५ ट ॥ वा-रु को वृ-च-र को सा धु-पा-त का लमा
भदा को मेघ-ल नी-पु-र-ज को कल-ह-र न भा-ग-प-नी रह-दे-न
॥ ५६ ॥ नी-ष-प-र-हा-र-प-ने से न नी-ष-प-र-हा-र-ती-चा-तु-र-को
अ-सा-धु-र-ह-इ-ति-ले-ल-ग-ती-व-रि-प्रा-से-नी-ष-प-र-हा-र-॥ ५७ ॥ क-प-
नी-म-नी-स-इ-इ-को-से-वा-द-ले-ह-त-प-स-तो-ली-ग-भ-या-को-ले-गी
म-नु-ष-ले-ल-नी-स-भो-ग-ग-या-को-दो-ष-ले-पु-त-भ-या-को
प्रा-म-ले-प-या-को-वे-द-नी-ष-प-र-हा-र-॥ ५८ ॥ गृ-ह-रि-ने
म-द-सी-क-र-ह-गो-र-स-व-जी-त-म-प्रा-ती-कु-ल-क-ल-त्र-व-न-र
क-र-हा-प-ले-वी-धि-॥ ५९ ॥ दो-ल-थ-न-भ-या-को-दा-ल-पा
ली-न-भ-या-को-गा-ई-को-दु-द-त-भ-या-को-अ-न्या-मा-वी
क-ले-तो-ग-नी-स-नी-पि-ली-न-र-क-भ-नु-त-ही-हो-॥ ६० ॥ वा-
र-प-कु-ल-ज-ग-प्रा-जो-वी-र-पा-म-पी-क-का-सु-र-पी-नी-नि-नी
च-से-वै-वा-ह-हा-द-स-कु-ले-॥ ६१ ॥ व-दा-ले-व-दा-कु-ल-क-दि-
न्या-न-रा-नी-भ-या-वी-धा-हा-ग-नी-च-की-मी-द-त-प-न-वी-
वा-हा-न-ग-नी-व-ती-व-र-कु-ल-मा-ग-नी-॥ ६२ ॥ वी-षा-द-पे-म-त-र-
ह-म-ने-वा-द-पी-का-च-न-न-नी-च-द-पु-त-मा-वी-दि-हा-स
नी-क-र-तु-दु-कु-ल-द-पी-॥ ६३ ॥ वी-ष-वा-द-प-नी-ग-म-र-
नी-की-ली-नु-पु-प-वी-न-दे-पी-स-नी-सु-व-र-न-ली-नु-नी-च-म
उ-से-दे-हा-पी-नी-सु-व-र-नी-न-नी-च-म-नी-च-म-नी-च-म
उ-स-वी-दि-मा-भ-या-ली-नु-स-नी-र-त-न-दा-दी-पा-कु-ल-दे-पी-ली
नु-॥ ६४ ॥ क-से-दो-ष-कु-पे-न-ली-या-धी-ना-को-न-पी-दे-ते

की न न वी सने प्रो प्रकले श्री चोरी रत ॥ ६४ ॥ कलक
कुलमा दोष दैन कसहा इहोग मया दैन वेल न कसहा
पा पा को दैन ल श्री सिदा कला सुद ॥ ६५ ॥ दोष वेस्त गि
ने पे ली न गि न बो पी ज तु सु सु कुमा से प प से ना लो भव
ती क क सा ॥ ६५ ॥ दोष ग न न मया को प्राती दैन बहुत को
भल कमल दत प नी दा ठ का दले ब स रो द ॥ ६५ ॥ अम
त ली सी रि व नू रि म त श्री भो न न म म द्या ग न व ती
च व ह म त वा ल भ व ति ॥ ६६ ॥ सी रि रि न ग धा ॥ प्र गी
भ म त क्षी रि म न न प नी अ म त ग ता व ती स त्री पि न वि वा
त व को वो ली अ म त तु लो हो ॥ ६६ ॥ दु ध त्र म पा ॥
कु ती वा नी दु ध त्र म त्र अ म वि म नु दु ध त्र भा व सु ह ना
री दु ध त्र भ व च न प्र वि म ॥ ६७ ॥ आ ल त म त्र त व
वा नी अ प त्र ध मा प ग न्य पि नु प्र गी वो ल न्या पी म
रो ला ग न्या व व र ह ती दु ध त्र म ह द ॥ ६७ ॥ न दी ना ग
वी अेष म ना नि प त्र वि ता न नु ध्या ता न प प्रा ह दे सा
ना प त्र नी व ती ॥ ६८ ॥ पु त्र पै न स म की र्द सा सी दा स
वै प का लो प सी दा स लो कु म म द्या को द्या द त प नी नी सि
रि र ही त द त अ त व ने व न न लो ह द ॥ ६८ ॥ स र्वे वा
मे व र त ता नाल नी रि त न ही म न त म त र पा त द व नी
र ता ल त पा ले ॥ धा ध ने न की ॥ ७० ॥ स र्वे र त न म दा स त्र रि
त न र्म स र्म सी त स त्री न म द्या ध ती क्का प्र दो ज न द

७०॥ कुसुमी हलीकुदुसा नीकुपुनी हनीते कुल कुमनी
 हनीराजा राष्ट्र बौदे रहनेते ॥ ७१॥ दातीयास नीम
 दा कुदुबनालहुद कुपुलेकुले कुमनीलिते जा चोरले
 देसनासीद ॥ ७२॥ सनीना दोषलहसर नीगनास
 नीनीमहीपोले गृहचार सुतोले तरिमर नीपती
 नासह ॥ ७३॥ सनीना दोषहजार द नग नभठपाती
 नयनन-माई ईदीनुगह कीवेवहार पतीमर दासा
 धजानु ॥ ७४॥ कवयो कीनप सेती कीन नक्षेत्रीयादा
 सोपमदा कीन कुवली कीन नक्षेत्रीमि देव्या ॥ ७५॥
 कवीरुह लेक्या देव देन काक व्याख्यादे य स नक्षेत्रीयादा
 देन सुरापा नग नक्षेत्रीयादा देन ॥ ७६॥ पुनप
 योजन नानया पुनपीराददा योजन नक्षेत्रीयादा
 योजनपीदिपयोजन नक्षेत्रीयादा नक्षेत्रीयादा
 नक्षेत्रीयादा ॥ ७७॥ पुन कावातीरि सनीनाहीद
 यदि कावातीरि पुन नाहीद हीत कृता देवांडुताम
 नीमिनि नाहीद नक्षेत्रीयादा नक्षेत्रीयादा
 ॥ ७८॥ लमुद्रावना मुमिप्रा कावातीरि नाहीद
 नीदीवावना देसा लक्ष्मीता वनना सनीदी ॥ ७९॥
 लव मुद्रावना योजनपीराददा योजनपीराददा
 तदराजाले देसने वीत दन चरीनले स्वासनीने
 वीत दन ॥ ८०॥ दाहले वनरी शानुदे नक्षेत्रीयादा

लोपनी दाइयु माइ हो पनी (दा) गन सिद्ध देन बाइली लन पनी
भाहु देन सत्री काव धीया सी लले मान (भाहु देन ॥ ७६
नदी पात धे कुल नारी पात पात कुल नारी नाचन दी नाम
काइ दल। लीला गती ॥ ७७ ॥ नदी लीती रीछाई देन सत्री लीकु
ताव साई देन नदी नदी सिद्ध गती देन ७७ ॥ लता वासिनी
धतव ~~धतव~~ अमरते पाथ्य स्थिति नृपय वस्था पुत्र जपो
मिदिष्ठ वाटि साइया ॥ ७८ ॥ लहलहे ध्यापुत्र नती कि
कार आत्म साई देन नदी जाले नती कि कास व कप त्याई दे
न सत्री लीपनी नती ककी पुत व तुल्याई देन स्माल
देह देन ॥ ७९ ॥ नैव पसेती जाता धामा भी नैव पसेती
नयसे ती मदी नाला त माय दी नय पसेती ॥ ८० ॥
जमै की आधा का मको आधा माह कारि धिन धोरु
आधा तीले वेण देन माधी मनु ॥ ८१ ॥ मनुष्ये की
बाइय आका मनुष्य संगत यौवन रण प्रत्याशित
सुहाले च गढ माग ॥ ८२ ॥ जीन मन प्रस सती मया च गत यौ
वन
जीन मन प्रस सती मया च गत यौवन रण प्रत्यागत मासे च ग
ह मागत ॥ ८३ ॥ मनुष्ये की बाइय आका मनुष्य संगत यौवन
जना मवत जीती फकि प्रिया की आचर्ये इवि ग्याली ग्यान
यती सहाई देन ॥ ८४ ॥ लक्ष्मी लक्ष्मी हीने च कुले हीने सारव
ती अपनो मते नारी गीरो वहाती वासव ॥ ८५ ॥ लक्ष्मी हीने
मनुष्ये की मने की लक्ष्मी हीने कुल माव दी देन अपन मात गी
रह न्या मल नरी पवत मावस्था को पा नी कामला ग देन ॥

यही भाषा दी लपाचक स्मलीक लहरीया इति तिरवा दी न सा
मरान जलजरा ८२॥ नलकी सत्री ना मूी कलहग न्या धृती वा
भीमगरीया तसपु ललता ईवु धो मनु उ धो ला ईवु धो मदेन
८२॥ यस भाषा सुठ पाच मत र भिनुग मी नी नी ते म धा भाषी
भास अशिया भिन भिया ८३॥ जकी सुत प को मल मन प
देता न्या मी प्री वी ल न्या लला ल डमी ते ही हो म म ली ता ई
ल डमी भयेन ८३॥ यस भाषा ये ग र नी ते सुनी च प गी ग र
जीत ते ली सी दती गात्रा नी प नी नी वही मा ग मे ८४॥ ज
की सत्री ऊ ऊ नी जसोग जी नी दी तसपु ल क शरी र ली सी
र मा दी उ पा या को कमला के दे जा धन ८४॥ यस भाषा
ग र चे व मा तो वही लकारी नी व ड ते त सगा त नी सु क व ड
य था ल सी ८५॥ जका सत्री धि र्मा ग्रा मा ल ही त ग पा क
ग द तसपु ल को दे र सु क प ड को च न्द्र मा व ठ पा के व
धन ८५॥ की जा ते व ड भी पु ने स्व क स ता प कार के व
मे क कु ला ल व ड नी नी आ मे ते कु ल ८६॥ स्व क स ता प
दी न्या धी र धे भया ले क्या ग नु कु ल क न धा म न्या ला पु
वी द्या व त ये के भया नी को ८६॥ हल भया न्या पु न दे ह
ली द स धे न व क न्या का ला व सान च ने ते या से ती वी नी
या ८७॥ यक सत्री ती न धो ॥ दु ई ह ल डु ला गा ई दु ह न प
धी गा द प क क न्या जका धन ते मनु बे ला गा दी प दे ना ८७॥
यक ता व्या व ह व पु न्ना य पे को पी ग धी वृ ज ते स यक
प्र ल मे भ ने नी बा र ड मु त जे का ८८॥ पु ल ल ते धी र
ने रे इ ते न ग र ड नु ल व ग का मा गी पी द न दी द्या य क म व
से जों वा ग धा म न ग धा मा ल मे ध को पु ने रु मा नी ल व डी त
मि ना ग नी ८८॥

ऐक्यं न सुखं च दीनं पदं मानं च वही नाः दहते न व न सव
कुपुत्रे न कुलदयाः ६६॥ यकै सुका को व नै मा २५॥
ताया वद सव व व जसो द धद कुपुत्रे ले कुलकन त सने दो
ल ह न ॥ ६६॥ मुके नापी सु व नै न पु धिने न सु ग ध नि
वा से ने न व न स व स पुत्रे न कुल दया ६०॥ ८
कै सु व भ पु ल को व नै ग ध लो स व व न सु वा स
ग ध न त न स पु त प लै ल कुल था म ह ६०॥ य सो प
त्र व सा नी त्था म पा द्य द्या नु गानी नी वी भवे धो पी
स त क्छा स्व गु त ले म हो दा ते ६०॥ ज स्का पुत्र म्पा पु व
सा ना द न क र म्पा म नी मि म ह को क म्पा य ज्ञा नी त
ह ल गु ध न स त म्पा पु नी न म्पा प नी सि तो व ग ध
न त स त्व र म्पा नु म्पा म्पा य नी ६०॥ ९ ते पु त्रा द्य
य नि इ सा स पी ता य स तु वी ष काः त न मी न द्य त्र वी न्धा
म सा म्पा य न नी र्त्ती ६२॥ १० स का द्यो ता व वा
को व स म्पा द्य ते ही द्या रा म्पा न स तं द्या त न ग म्पा
ह इ वा नु हु वी स त म्पा स ह उ ग
रि धि म्पा त सै क न म्पा स न्नि स द्य उ ची त व सै उ सै ल र म्पा नु
६२॥ य सी म न ज वि ती जी न ती वी प्राम्पा नि रा व ध वा स प ह न ती
नी ती त सै द्या त्मा थ को न ज वि ती ६३॥ जे न्नी र्त्ती उ दा ब्र ह्म न
मि त्रि दा म्पा म्पा इ न्दी इ म्पा ल उ स न्नी पा को द्य म्पा पु त्रा र्त्ती
उ मा न्नी पी ली त को जी उ द न ६३॥ ज स क्का म्पा स न्नी व न्नी ग
ता य सै व सै ध म्पा स न्नी व तीः गुरा ध म्पा वी ही ज सै नी व्क
त त सै न्नी व ती ६४॥ ११ स्का गु न ध म्पा द्य ज उ नु उ सै क न
म नु गुरा ध म्पा न्नी द्य नि म्पा न्नी इ न्नी व ती ६५॥

वाचमुत्पत्तीयसंभारः ॥ १२ ॥ पवती सुतीलदम्भीत्याग
वतीयंतसकलतसेनीवित्तमदया ॥ १३ ॥ इत्थामुखमसा
स्वतीरुत्पवतीपतवित्तमन्नीदुदुनगरुत्समर्थ
दलदुमीभक्तजुष्टिसपलतसेताईभन ॥ १४ ॥
धर्माधिकाममादारापत्यैकोपीनवीदेते ॥ १५ ॥
गलमतनसेवनीरुत्तसेविवित्त ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥
धर्मप्रपकाममादारापत्यैकोपीनवीदेते ॥ २० ॥
कोवाककागलाभा ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥
मन्याहोईनत्तथैवेयेयुवती ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥
हीनसेदीनप्रातीववीक्षित्याः ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
ध्वपवैवद्यजीवती ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥
वेतीतदुदुनत्कोजीयाकोह्यासमान ॥ ३५ ॥
लोहकारकोवालासीजलतोले ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥
रपीगुणावाच्यापोषावाच्यागुत्तपयिकुक्ति
युक्तवयोगहजनवाचैगु ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥
नुकोचनां ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥
रुलाइपनीभरीतो नगनुसतेवादीहुन ॥ ४६ ॥
प्रकतवैभक्तवैप्रा ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
कर्तप्रशोकधगतेरपी ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥
जानुलागपापनीनगन्याकामनगरु ॥ ५५ ॥
मधुवसेगुत्तरथपयार्थगर्भ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥
हसगेनसुजतोपीविनसेतीप्रलनजलमीत्याह
करधमैकनुषीयाते ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥
नपराजिासीहुगसलीनीमिलजलहीलोलेठामी
लीहुदनतलीसगदो ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥

श्री चानकरीषी सार सगहें दीती पसतक समय तम २
काले चरी पुरा सधी काल चं मंत्र सगहें कार्ये कर
रा मा श्री ते काल आयती पदीत ॥ १ ॥ यी नम मय
का फल जे लु लु धरे समये का फल ले मंत्रि दु दु शा
नी जनु ले समय धरे जगनु ॥ १ ॥ काली पचरी च
ता नी काल स ह ले पु ज्ञा ॥ काल सु ध त बु ज्ञा गा
ती कालो दी दु ती क्रम ॥ २ ॥ समय ले ह की गा
इह समय ले महा हग ह ह समय ले जग इह स
वे धी कग र न्या सा ध हो ॥ २ ॥ कालो ले ते ह ले च
ज फल काला लु व ल ट काला टे ह व त न स र्वी प
त कालो पी ह ले ॥ ३ ॥ काल मावी जगनु काल ले लवी
ज इह ह काल ले फल फल दु ह काल ले ने स र्वी
ग ध पेरी काल ले स ह र ग र ह त ल ध चि वी चा
ही काल भा ले हो ॥ २ ॥ वा दी स्व भु मी ह रा य च न
प्रा की न ल मा स र त स र्व स ह र ते काल स त सम त
कालो मह ल ॥ ४ ॥ आ का डा दी सा भु मी पा नी च
दू ल य भु मी वि धु र ती स वे काल ले महा ग
ध न त स र थ को ली प दो ही ॥ ५ ॥ काली च ति
व ग ह च त पि न व दिते न न ग य न क ग मे र
ज क की क ती व डी ॥ ५ ॥ सु न्या न म य का धा डी वी ल
को काल ग ध न ग र ह का ग ना डी सा नी वी को क
ला ग ह ॥ ५ ॥ काली न न म धे ह वा व दू मि न द प र क
म ॥ ५ ॥ वी वे की ज न ल ह ने गु न धा न की क री ठी त गी ॥

॥॥॥ के ॥ कावीत मा भ्रा ॥ को प ॥ म धे न लीवी
न भया का भाई सा के ही सी प धे न : ६ ॥ पुलक
भी न म यी दाम नती की ल सा गरा सा गरा मे
मी दती पुलक यी न सा ध व ॥ ७ ॥ हती गारु
हती न गनु मल्ला काम या दा सा धु जल लग ह
पुलक काल मा समुद्र माले न या दाना द्या
जाध सा धु जन ले पुलक काल मा यनी भिदी
दो दो द दे न ७ ॥ मे ते च लती कल मा ले न या
दा सा गरा से च पती य न म हा सत्या न
ली ती क दा च ना ॥ ८ ॥ पुलक काल मा लु मे र प नी
कल ल म ग द ले प नी म या दाना द्या ल सा धु जल
ले दे व सु ल प नी कु मा र न ल दे न ॥ ८ ॥ वी दे ते
ल न वि चा य ले वी दे ते व र ह न ले य य पा रू से
वी दे ते नी चो द या सा धु व वी दे ते ॥ ९ ॥ ली दि
ई लो जल ता ह द व र ह न दे ई ल प ह द नी च
जन दे ई द या ती ह द सा धु जन दे ई द या ध
मि ह द ॥ १० ॥ सा धु सम मान माने न न लता
दे ह वी क यी उ य का र ल ने ना वी द र ड न के न
गु ल मे ले १० ॥ सा धु जल ता ई स ग ग द दे ह वी
के र म म नी ॥ ११ ॥ पु र ह द व र ह य गु न ता य को
द त प नी दु र न ॥ १२ ॥ पु र ह द न १० ॥ पु र ह यो पा
नी डा स न नी ना न च ह स न लो थ कः पु ते
दे वी क ते दी ले च नु ही नो न प से ती ११

[illegible]

लोमनवसुभः पारजीपाचयः वृत्तीप्रवसाधु
मुर्वीदिते १७॥ वदकसतलेधनकमाडिनुनोभते
सुकरारुचरताईपीदागनुयतीथोकसत्रगतधु
इहदेन १८॥ १७॥ प्रसकेनामनेप्राज्ञप्रकारधु
वकारातः स्वयकार्यानि कारवाचनीयकलने
वसेवयंत वटा॥ सज्जनमसकनाकाडाकोप्रातः
गदैनमलोभदेनायावनीकुकरमगदेनननीचका
मंगदेनन वटा॥ सैलेलेलेनमानीकेनेतीकनगने
ज्ञः साधवो नहीसर्वज्ञचदनवनेवने॥ १८॥ सवे
पुवतमासंभीकेरुदेन सुवेरातीकामसकसा मोलीह
देनसवेभनसनेतहदेननः॥ १९॥ पारकायोपुपूका
मास्यकारयेकीपुसाचक सुहकारयेपुनीदेती
२०॥ पारायकाडामायागु
लाउभकाककानमाचादेहीदगनुनीकाकोजमा
नीस्वयगा नराजकोकाजमाचललाइने २०॥ ज्ञ
त्यलेतेधर्मा न्यायायत्कतवनदसेती प्रचलेनच
साभनरासीलातेठोवनीष्टती॥ २१॥ नीचकाइक
तीउपेकारजह्यापनीदेवपै नयानीन्यापानीलेलेगा
ज्ञसोसाधुजनलाइधकरोः इयकागामाकोपु
गामालेदल्या ज्ञसो ज्ञामासेतीदेन २१॥ महता
मापदुसतीहतेमेवसपंद इतरुपुसनुपेलना
वदीनवसप २२॥ वदामनुजानाईहवचनी
२३॥ उचचनीभोइतरहुप्रालाई सुधायनदि

धोरोपुदुपयनी जाती ॥२२॥ सभा संतुषेती पर
के शाबंतन से खेनच द्रमाः वरिमु मरने मा नो राम
हात कर सपुटे ॥२३॥ आत को फल च धाया मा हादि
वसतु सुत हुं दु व ह च धाया न द्रमा सत व ह ह म
नम न स्मर राग न्या वरि मु सुव ह ह व प पु र ह ह ह ह
त जो ही न सत्कारा मा सतु व ह ह ह ॥२४॥ ले व क पा थ क
से व य न ने सा स व ची त का स व व स न नो सु धा क थि व
त अं दी ता ॥२५॥ ले व त्या प ह न्या वं दी त या त ले व सा
प ह ना को म्प न्या स मा त्र ह ह काम गुज दे न नती न ह ह
ला इ वे स नी म नु मु ल म नु डी काम का न ग ह ह प डी
त म नु ह ह ह ॥२६॥ व ज्ञ सत्ता व ता न जि रं जि स
वा त त पो व नः धी रा ध तारी कु र्त्ती कां त रा क व धि
ह का ॥२७॥ हे रा मु त धि दा को व्या पा रा जा को स
वा त य स्या इ चार का म ज्ञा न जि न ले ग न्या लु नु का त र
ज न ले से स गि रा ह ह न ॥२८॥ व ज्ञे ध न्ना धी वा न जि जी वी
व्या धि चि व ह क त म नु का ल म य त्या धि मि ना
धी र य ती वि ज्ञे ता ॥२९॥ ध न ई च ग न्या ले व्या
पा र गि न वी द्या को ई च ग न्या ले व ह त सा स न य
ह न पु न्ना धि लि ह नु का ल मा मा ग गि न मा न ई च
ग नाले रा जा को से वा गि न ॥३०॥ मु ष प य प ल
का र्वा बा च न सी त ले ह द द क र्त्त का तु ले न
तं यं क र्त्त ल स न ॥३१॥ मं ल का कु ल तं लो

[illegible]

श्री माहादेव श्री कृष्णमन्त्रावली अथ श्री गणेशाय नमः

वीरवलकेनोपहास्य मेती ३२॥ सत्यपनी बुद्धि
होतु रज नवन बुद्धि हो सत्यतामने प्रोवादी लेन ले
● गन सुद्ध रज नन्या को ता के ही लेख से गन ह दे न
३२॥ हस्त रज संह सरे रा सात ह सते न वी मनि
अगी राग य ह सते न दे स त्यागी न पु रज न ॥ ३२॥
हात पि बीहि जा ह हात य रा क ह न बी या दे बी हि
य हात क रा क ह न सी क ह दे बी य त हात फ र क
हुतु हुतु ज न दे बी दे स पनी घा प न ३३॥ हसी ना क र
हस्ते न क सा ह सते न ग न अगी र रा द य ह ले न व
ल ह हस्ते न पु रज न ३४॥ अ कु सी ले हा टी व स ग न
चा चु क ले घा या व स ग न ल क र ले सी गि हुता व स
ग न पु रज न हा हा त्मा र प ह ले व स ग न ३४॥ पु रज न
प ही ह त वि सा ले रा ल क तो पी स म नी रा म भू छि त
सर्प की म ले न म क र ३५॥ प दी त ह त प रा पु रज न म
या त स्को ल ग न ग नु ल दे बी द रा ड नु म नी म या का र
स प दे बी क स ग री न द रा नु ३५॥ पा ना पा ना वी सि गो
न धो नु प न ग पा री वः ह ला नी ल व ते दो री क्षी रा नी
स व ते वी छ ३६॥ गा ई त न मा ई दु द दी छ स र्प दु
ध पी या वी छ बी छ सु या न कु क पा ना को य ती फ र
र क हु न ३६॥ क्ष द्र स नु मी ती जा त्या नो चे दो त व
दा व नः काले पु रज न ता या ती त ना त्या व नी चि

वतः ३९॥ सानुसनुधननी हेलातगनु सुक्याको
द्यालमाको आगा सानुधतपनी धरमासल कधरन
सपाधः ३७॥ वधो केकर केपो भाभ्य लीत्नी धुपीग
लेः सत का ने च एवजे बहु वज त्यात न व दिते ३८॥ देरो
मनुवे ६॥ ६०॥ दो स हुध ऊई या धे ई ६०॥ दो व हु नु
ध का ना धे ई ६००॥ दो व हु धुः खोर रा दा धे ई ६००॥ दो व
हु धुः ऊ झ धे ई दो व स र व्या धे न ॥ ६८॥ स्या ल्या न कु
हो डुरा चारे मी न सु ह चरी ते सतः वी व्या स स म ध का धी
वी ना स मु प ग ध ती ३९॥ दर वा र व ल ध भ्रा फू ड ज
न ध त स ता धे इ वी स्ता स ग नु ध न वी भा ग या ना स हो
ला ३९॥ मल ने व म दु ह ती म ड न ह ती दा ह न ना सा
धे म ड ना की ची त त्मी ती द्वा त म ड ४०॥ क व ला ले
क व लो घ नी का दु ध सा हो प नी का दु ध क व ला ले सी
ऊ न म या को का ज न के ही धे न स वे चा ही ला ज न्या ल
व ल हो ४०॥ व ने प ड ली तो व ही द ह न म ला नी र
दे ती लु ल मु न्मु ल प ती ज्वा पो धो म ड सी त ल ४१॥
अ गी नी भ न्या को सा नु हो द ध्या लो ला ज धे र ल व न
स पा र ध ज रा त रा व ध पा नी न न्या को को म ल हो त
प नी खो ला का धे ई को रु ज को ला ले ज रा भु डा रु ज ध
गा ड ध ज रा प ती रा ज ते न ४२॥ स थु ल हो मा व ली
न ड क न्या न व हु मा जी नी ड म रा नी च नो ना मी ड र ल
प री व ड स तः ४२॥ थु ला रो म या को गो रु व हु त रो
न ज न्या क न्या रु वी ने त ड न को प रा ग न ज नु

४२॥ रहस्ये मेदये पुनेम र दोसा कीर्तितं कुल
ह प्रकृतीसेव डुरत परीवर रडा वेतः ४३॥ मन्त्रिको
कुलेवाहीर ले शा न्या चुकली दा रपरा पा को दो सगा
इ न्या कुलहरु चाई न्या य सु को प्रसंग नग नुः ४३
असया नग नं मंत गा व च व प्र लुती ला तथा चांत
पुता दा सी डुरत परीवर नयत ४४॥ कोल को छो दो
मद नु ल्या को हाती भर व र वी या की गाई कर वा र की
के छी ट्ट दिवी फर कहु नु ४५॥ डुरत न च स रा सी न
पर स्था मी र ता स्था यिः मी न्नि नित स न्नी मे च डुरत परी
वर नयत ४५॥ सो दे दर्जन सीत को प्री ती प र पु रू ष
को प्र स ग ग न्या प्र स नी बु ची गा ई पु रा ना व स न स
ती धा ते क हा दी दी नु ४५॥ नवी च स दं मी न्नि से मी न्नि स्य
पी न वी स्ति सेतः कदा नीत दु प्री तो मी न्नि स व गु हे यं धा स
वेतः ४६॥ वेरी सी त प नी वी स्ति स न ग नु मी न्नि सी त
प नी वी स्ति स न ग नु क्या हो म न्या कदा नीत मी न्नि सी
त को ले प मा का दी न स व गु प त पुं का स हु रा ४६
नवी च से द वी चा से ती स्था ह्ये ने व वी च से त वी
भा ना डु य मु ते नं मु ला द पी नी स्ति त ती ४७॥ म्
स्था से दे ई र वी स्ति सी चे ई र य नी वी चा स न ग र नु
गी स्ति स वी व त म या ग्रा डु च ४८॥ नदी न ना
न सी नां च स गी नी डी स न य नी ना वी स्ति स ने व
त ले स नी पु रा ज कु ले व न नदी को न पी को सी ड
डु न्या को हा ता हा ती या र हु न्या को स नी को रा

जां कोवी स्वास नगर नुः ५८ नदी टीरे मुवे
आया च नाही नीर भयः सामंतरं हितो राजानम
वती नीरायुष ५९ ॥ नदी काटीर कोरु
वया अय नम पादी स्वास्ती मंत्रि ननु मा कोरा
जाहती धोरै वेल छेनः ६० ॥ यदी दे घा चती
प्रीति प्रीति नवन का रक्त पतन अधि पोरु नय
रोक्षे रा र पद्मि नः ५० ॥ जने बा डमा धोरै प्रीति
सधोग है न न्या इति निधो कनगर नु जु धार वेल
नु नीया दीयाग नु सतीर कै वस्त्रा मा आकुले
नवहम नु ५० ॥ नगरे दुष्ट वी चास न कुट्टी
द्वजती अहः आत्मा मोषति धा क्रो धाम नि लेर
नका धेतः ५१ ॥ दुष्ट जन सति वी स्वास नगर
नु उल्लेखति ये नी आधान नग नु वै री मित्रि दवे
पद्म नग नु ५१ ॥ कुन प्रमं नीरा जान वी प्रि चली म
लपितीः प्रवा डरि नव त मय न से वती सि दा व
टागा ५२ ॥ अन्या य मीनिं हु न्या राजा मुदी नी
सत्री ग आको व सु न वत मग हु न्या आतीति
जा नी डम ले दती को सेवां नग नु ५२ ॥ कुमंत्रो
नास्ती वी स्वासं कु माया पांक तो रटीः कुराजे
नास्ती नी रटीः कु दे ले नास्ती जी वी तः ५३ ॥
कुमंत्रि दि ई वी स्वाह दे न कु सत्रि दि ई पति ति हु
दे न कुराजे माजी द्या हु दे न कुराज दि ई के ती मा र

न
म
चो
न
देन
पुन
वेह
वह
माह
नम
तेन
ली
रु
कु
कु
न
उ
नेय
से
र
प

हे न॥ ५३॥ मा स्तो स ते स दा चोरे न शो व वष ही पि
ने मदे वे शो ह दू ना ना स्तो पु ता का रज व न ही ५४
वो रे छे इ स्त ते हु न रौ ते री स्वा ह्मी मया का न स
न रे छे मा धा र लु द न सु द द्वा या छे ई मी न हु
दे न जु वा लु छे ई री न नु दे न॥ ५४॥ दो वी द्यो वी
पु न ज नी चि दं च त्पो गु रू सी णि पोः ५५ तं रं ने व गंत
वे हर से व ण म से च॥ ५५॥ इ इ व ल न क्कार ५६ गी
व ल म रा का ड इ ली पु क ज का गु रू रू सी णि का
मा हा दे व र व सा हा मा ऊ वा ट न ज नु ५५॥ लो क्का
न म पं ल ज्जा दा क्षी री ता गा ली ल ताः पं च प न न व दि
ते न कु य्मा त न स गं ५६॥ ज त भा ड्पा त्र दे न दान
ली ल दे न इ पा च व स न स या का भा ड्को स गं
रु न दे न॥ ५६॥ नां ज नं शु क ता पा ती वे क ले च च
कु क तः न ना री सि यी त व धी स्या न मु षा स सं स
कु त व दे तः ५७॥ गा ज ल से तो हु दे न वी क ले म त हु न्या
दे इ प टा नु हु दे न स त्रि दे इ स भ री वु धी हु दे न
म क दे इ सं स्कु त व न हु दे न ५७॥ म न को ले खो
उ नी सि व स्व ध्या धी पो ण स प्पे व च पु न व र्द्धि ष
ते प ल्मा त ल्मा छे ष नं का र य ते ५८॥ म रा को
ले व म्मा गी को से व री को से व न रा ष नु पे
री व धा द्य ५८॥ इ डि ग क ल ह कं ड ५९ तं म द
पर ल नी पोः वी द्वा ने भु न ना ला से ले व ते तं ही न ही

॥ ५७ ॥ मन उदास हुनु कलह नु कुनाई नु जुनावे
तनु मरि निधी नार हुनु नीद्र हुनु न थुन गरी प्रहारी
हुनु हती ओ लसे वन गायन न्याय ॥ ५८ ॥ परदाउ
परस्व न पारी दाद परस्व न पारी हा स्वगु रु सभा नीद
रत पारी वनिये त ॥ ५९ ॥ परसत्री पर रथ न परा धवा
द पारी हा सपती ओ क गु रु सभा न मा ग र नु ॥ ६० ॥
परो का का र ह ता र प ते भो यी धि वा दी नः व न यि ना द
स न नि नि वी वि कु म प यो सु लः ६१ ॥ कथा परी का ना हा
न्या सु व्या न मी धो ग री को ल न्या स स ता मी नि को प
स ग न ग नु वी वि ले न न्या का गा गी का नु न मा दु द ले धा
का ज स्तो हो ॥ ६२ ॥ क दे शं च क व ती च क मा द्या क न
दी त था ॥ क द वे चं कु तो भो यो न व न यि ते दी तः स दा
६३ ॥ क दे स कु क न था उ कु यी री नि की ल वी री अ ग न न
दी क द वे कु अ नु ना नी ज न ले ह ती थो क द्या द नु ॥ ६४ ॥
उ र्व री धि दी रु पे रा र मा य दी ती लो मा गो पा ली मे न
का च व व न वी धा य र स नी यः ६५ ॥ उ र्व सी मे न का र मा
नी लो मा गो पा ली ई न ह रु स्वर ग को मु खे अ य स
रा हु नु ह स ती रु प व न त न या व नी य रा स नी य स ग
ग नु दै नु ना नी ज न ले ॥ ६६ ॥ ये नु का प व लु ये नु स
हं सा वी री लो द यः वी य ती नु न हा दो वः प री व
तै की न भ र रा ॥ ६७ ॥ आ फु लो आ रं न ग या को
का र यो अ र को ले हा नी र वी गारी दी यो त व नी उ
स ला ई नी य ती प्र द आ य र नु का र य री धि हु न्या

या
व
दा
हे
द
जी
म
उ
प
त
प
त
ली
को
वा
र
सा
म
र
६
३

यापनीपनीजाननीउनलेहा नुहै नतीपतीमाकोवदोद
बधः ६४॥ भग्नभक्तसमंयसेधायीकथंचतुलेताः स
दाकायेकसदेहाभेतवेसर्वदायुधैः ६५॥ भग्नभक्त
हेरीलनभलाभदाकायेलाउनुकरयगदाजाननीनले
दमीनीगारनुः ६५॥ भेदनेमकुलीनाना राजायरोय
जीवीनीजानतवेजातसनु-गहृत्वापुर्वोयकारिरा
मा ६६॥ उचोनीचकोलमाईलान्यानीधिराजादेवीदरा
उनुजोगेआफनुसमंजान्यासुदेवीदरहुनुअच्छीई
पकारगरन्यासतिपनीदराहुनुः ६६॥ यादयानाभयवा
तयद्वानीसितीरोभयेः चर्वतानाभयवज्जोनुचंकी
पदोभयेः ६७॥ रुचकोभयवद्युपद्यकोभयतुसारोपव
तकोभयवज्जुनीनाजंतुकोभयमनुयेः ६७॥ जातायाती
लीचंदद्वानापीतावीक्रीयातेसुतः राजाहरतीसर्वस्व
कोमेनताभवीगेतीः ६८॥ आमा लेवीबिदीन्याभया
वागुलेवेचनलागन्याभयाः राजालेअन्यादागनलाग्या
रभागरन्याअलोकोधः ६८॥ यत्रराजास्वयंचैरसमंती
साप्ररोहीतः तत्रहंकीनरिभ्यामीयतोरभातटो
भाप ६८॥ जसदेस्नामंतीप्ररोहीतिराजाआफै
॥ २॥ चोरभयाकल्लोक्कालागिधः जाहावातभयो
रभाहृन्नाहोहहावाहभयभायामाक्यागरनु
६८॥ वीरतानीलीषीताभयेहेलालटेभर
मालीकाः देवोयानहीहाकोतिईरानीदिवे

ह्रीं तीं धुनः ७०॥ वीं आ ता ले लला त्मा लीया को
अधेरु मीती क न देव ले प नी अरु को अधेरु ले क न
सक दे नः ७०॥ क म री हा ही पा दान न वृ धि ना की धि यु
ज नः पा दान से लु तो धु ऊ लि ने न दे वो भ वेषे तीं ७१॥
कर म ले न दी या वृ धि को के ही लागे न क म का दी दा
नी वृ धि यु गो दे व ता लु दः ७१॥ क मी रो पी प्र भा ना
नी ह न नी क व्दे भु वे ज न हेः व सी ध्द ल ल ग ने पी ना
न की द र नः म गी नी ७२॥ सु न वे ला प री क न भ ल
दी न मी सी त को वे ह भ या क म का न दी न्या सी ता जी
ले पु र न पा य नः ७२॥ सा नु क ले भ वे द स्मि न दे वो पी
ग न म ह तीं गु नो पी धि ता द्या ती व द्धी भु ते वी द्या त
री ७३॥ वी दा ता को क्क या लु द क क म प नी लु क म
लु द न वी दा ता वी मु ख भ या स क म ज नी क म न ह
ध नः ७३॥ की क रो ती न र द्या ज दो र्ये मा न स्य क म भी
पा दा रौ व ही भु री नां वृ धि क मी नु लारी नी ७४॥
म नु धे को वृ धी भ या य नी क म का भ स ले धु मा उ ध न
क म का भ नु सार मु र्ध वृ धी प नी लु द ७४॥ ह ला से
भु म न दान स ते क ठ से भु ष राः अ त च भु ज न क
के भु न रौ की धि यो ज नः ७५॥ हा त को ल्य भो दान ग
ला को ल्य भ स ते वी ल नु कान को ल्य भो धा र्म कं
भा लु नु ग ह ना ल गा उ नु क्का प्र यो ज दः ७५॥ च
हिं भु न न रा री हा दु मा ना वृ जे भु न राः स्व व ती

मृषां रां पुंसा पतीनां मुं नै ह्ययाः १५॥ सत्री को स्व
भा सुचरीनां सुपको स्वभा फल फल सुख को स्वभा
सुशील न सुनानी को स्वभा दयाः १६॥ न भूत भूत न
चंद्रगारी राभा भूत रा पती प श्रीधी भूत न रा न सी
ला सर्व भूत राः १७॥ न भूत को स्वभा चंद्र मय सत्री
को स्वभा स्वामी धर्मी धी को स्वभा मराज सर्व को स्वभा
सीलः १८॥ महं ता परी भव भो ध न नी चा न मा न भूत
मं कसारी पाद को ते न का लीय सेवी भूतः १९॥ वात
को लात नी को नी च को मा न न नी को क स्वभा न्या श्री क
मजीले का लीय नाग का क पाल मा लात मारी व सुना का
लीये नाग को क स्वत स्व भाग प्रो अतो त स धी ले व स दा को
लात नी कोः २०॥ सुची भूमि मज ततो ये सुची सुा
पि पत वला उची दे मकारे एना सतोष वही ब सुचीः
२१॥ धाती मा को पानी उची प्रीती वता अनरी रचो भो
भाव त एना सु सु सतोषी वही न सुची २२॥ सुची
भोमी जतो ध ध न ले ये नवी देते ले व स भा न परी ते
व्य भू ने स भा ने सु नी २३॥ भौ वरा पा को पा नी
सु नी धा के व स्वा को पा नी सु ची मा थी को पा नी
सु नीः २४॥ भस्व ना सु धे ते का ले रा म म म ने न सु
धे ते रजसा भू धे ते ना ही न दी वे ने न सु धे ते
वरा नी ले का स्तो सु धा सु ध भूमी राते ता वा सु ध

दुध मृतसमानलेसनीसुधदुध वेगधलाकोन
हीसुधकहे ॥ ८१ ॥ जीतुरंतपूरद ध्या नमा वरदध्या न
महासुधः जानेध्यात्मसंमंद ध्यात स्वधुमेव हनधीव
जेतः ॥ ८२ ॥ पीताको प्ररलीली गुमाताको भा न सा
ध्यानुमो न हसुको जीर्ण ध्यात्मजीर्णिकैमानु ध्यापु
लेखेतीगारः ॥ ८३ ॥ कपीला धीरिपाने न न वेदा धरणी
चारेराससुदो न रकं व्रजेतः ॥ ८४ ॥ सुद्रलेकैलीगार्डको
दुदपीध्यावृह्मशीले प्रसगग-यावेदका ध्याभरको
वीधारग ध्या न रकप्रदः ॥ ८५ ॥ सद्वहसे न धम
जं मासमे कं नीरं तरं जीवे मानो भवेद्यु द्रो मृतसा
न धजायते ॥ ८६ ॥ ध्या ह्यनलेख दीत नगरि
मै ना सम सुद्रिरािका हातवाट खाया उदै सद्रा
योम यापे धी कुकु केज महं धः ॥ ८७ ॥ सन न हनि
तुया नारी धुत हीन च भोजन व सन्न हीन मल
कारं वी ध्या हीन ही जोत्मः ॥ ८८ ॥ दृढ हीन भयाकी
सवी धीर्जन भयाको भोजन व सन्न न भयाको प्रलुका
रवी ध्या न भयाको वां ह्यनलेखी धोका प्रस्वभाः ॥ ८९ ॥
समभित्त सलीलेय ध्या स्वभते ही धाते ही धी स्वभते त
पस्यु को जरा सुर से स्वभते ॥ ९० ॥ ध्या नीमा धीकि
मलाको स्वभा सतु वीट तय स्या गं न्या ध्या ह्यनको
स्वभा ध्याय ले सुश को स्वभा ॥ ९१ ॥ ध्या धो तनं न
ध्या रां सुर्ग रां कत हो सब पुरु को तन धं च ना

रीन
जम
मगा
क
दत
न
को
नु
राज
तेन
ले
सं
मा
के
जा
न
ह
न
अ
न

रीनांगवांचै वलु सो तसवं: ८७: ना जन मंगल
जमरुको मंगल कहत ह: सनीको मंगल प्राप्तरवस
मगा बुको मंगल पहायाको घांस: ८८: प्रग्रीहो न
कृत वेदं सतिह तेलिक ज अत रतीपुनं क्वा नारी
दतं मुगुं क्वा कंधन: ८९: वेद को लेन क्वा ल प्रग्रीहो
न कथा सुन्या को सतिह संतोष सतिह वहु सुत्री प्रसंग न्या
को कल द्यो रो भन को कल खरवा न लाई नुमा न प ने गर
नु: ९०: प्रग्रीहो हती तापे न सुयो द्यु ह तीरि सतिह मी:
राजा द्यु हती द्यो रादे न तं प सा बा ह नो ह हता: ९१: प्रग्रीहो
ते न ले के ल द्य: सुरय का कीर रा ले पो ल द्य: राजा का द्य न द
ले पो ल द्य का ह न त प ले पो ल द्य: ९२: सत साकं म त मा
सं करे साक थी त द थी: त ज न्या दंत स द्य क्वा तु ल्यो गा
मां स म धा सा स: ९३: मन को साक म द्य को मां सु हा त
ले रो ले को धा: त ज नी प्रगु ल ले दंत द्य स ग ह ती थो क
जो मा स न रो व रहे: ९४: न ह न्या न म ती द्य द्य क्वा न्य मा
न ह से ते न य सं का य र ति द्ये म द्य मा सं द्यु धी धी र
दु व: ९५: प्राप्ते न मार न प्र का लाई व च न न दी नु मा दी
न ह र नु ई ती नी द्य दी मा सु ला द्य को द्य ला द्य न: म न
अि क्वा ह म ले द्यु धी धी र रा जा द्य: ९६: प्राप्ता म द्य: ९७
मा सं न द्ये न द्यो वं न म द्यं न च मै धु न: ९८: द्यो र
वै नु ता नो वी वं ती क्वा महा क: ९९: ना सु जा य न
म दी रा नी द्यो नी स नी स ति प: संग ग द्यो प नी ये

अथै न प्राणी को वेव हार दो हती द्या द्या वने दः ७२
चतुः सागर प्रये ता या दु द्या तृथीथी मीमांसाः न
स्वाये चापीयो मीस तुले मे ददु दु वृथा ७३
समुद्र का चार द्या न मीना की पृथी वी द्या न द्या
कोर मा द्या मा सु को न रवा द्या को व रो व र क ह ७४
जा जी जिले व ज नः ७५ ॥ प्राग्नी रा प स नी यो म र वा न
प्रा राज कुल नी च नी ते म नो
पं चारे रामा हे प्रा नी ह रा नी य ७६ ॥ प्राग्नी
ज ल स नी मु ख रे जा द्य ती सी त नी ते त व र वा रा र र ह
उ के ही चा जो नी ज्ञा प स क मा स दे प्रा न ह र न ग ई
द यो कः ७७ ॥ सु व क मां स सं स नी यो वी द्या वा ला क स
त रू रो द धी मा त मे थु न नी द्या स देः प्रा रा द ७८
नी यु गः ७९ ॥ सु व द्या को मा सु पा न द धी स नी सी त
भो ग ग र नु नी द्या न को द्या म ता प न त रू न द धी र न ग न
वी द्या वा प धी को नै पु न ग र न ई द यो क द्या ना द्या त क
ग न्यां दु दः ८० ॥ स द्यो मां सं द्यु तं स द्यो वा ला स
नी धी र भो ज नः उ ह मो द क त रू द्या स स देः प्रा र
ह रा नी व तः ८१ ॥ प्रा लो मा सु प्रा लो द्यो र्वा ल ज
स्वा ह न नी दु य मा त वा न ता तो प्रा नी रू व को द्या द्या
स त द्यो क द्या रा रू क म नः ८२ ॥ प्रा ना द
गु नं यी रू पी रू द्य ग रां य प य वे स्या रू ग

मं मां स माहा दय्य जन वतः ॥ ५७ ॥ मा त मां
पूठ गुन वली ते ती होती मया पूठा गुन उद उद म
ता पूठा गुन माहा माहा मया पूठा गुन वली छिउ को
५७ ॥ पंच प्रि प्रं वा र से ती स्त जो लु छे च पो न र
अती मा न कामि च म सु दे वी त भै व च ॥ ५८ ॥ श्री
हं का री लो भी धु त मान जो न मा कामा नुर गु
सु ये ही ई वा च न ना को ना दे ना ल हु च व हु स दी न ती
ते न न ॥ ५९ ॥ जो भी धी पै च वे दे अस ती भी स ते
वा दी भी प्र लु वे दे र सी लै अस पु भी धी
व ते म हु ॥ ६० ॥ गा इ ले वा स न ले वे दे ल स ती ले ल के
वा दी लो प्र लो म ले वे ता ले ई मा स थो क ले च पी वी धी
चो के च ॥ ६१ ॥ अ सारे र व लु स सारे सार मे द न न त
५८ ॥ का हा वा स स तां स जो गंगा म सी व पु न न
॥ ६० ॥ जो स सार स न प्र सार हे ॥ प्र सार हो ता प नी च
र व लु सार द न ॥ का का म ने का सी को वा स
न को स ग गंगा जल को स न सी व को पु ना ग र न र
ती सार द न ॥ ६० ॥ ई ती नी नान के सार स र हे त
हे ती धी स त क स न प ॥ ३ ॥ सु म ॥ ई ती स्मो त क
५७ ॥ ७४ ॥ सा लु मे प्र सार व ग ते हे त
५ ॥ तां न सु म न स ग

मं मां स माहा दय्य जन वतः ॥ ५७ ॥ मा त मां
पूठ गुन वली ते ती होती मया पूठा गुन उद उद म
ता पूठा गुन माहा माहा मया पूठा गुन वली छिउ को
५७ ॥ पंच प्रि प्रं वा र से ती स्त जो लु छे च पो न र
अती मा न कामि च म सु दे वी त भै व च ॥ ५८ ॥ श्री
हं का री लो भी धु त मान जो न मा कामा नुर गु
सु ये ही ई वा च न ना को ना दे ना ल हु च व हु स दी न ती
ते न न ॥ ५९ ॥ जो भी धी पै च वे दे अस ती भी स ते
वा दी भी प्र लु वे दे र सी लै अस पु भी धी
व ते म हु ॥ ६० ॥ गा इ ले वा स न ले वे दे ल स ती ले ल के
वा दी लो प्र लो म ले वे ता ले ई मा स थो क ले च पी वी धी
चो के च ॥ ६१ ॥ अ सारे र व लु स सारे सार मे द न न त
५८ ॥ का हा वा स स तां स जो गंगा म सी व पु न न
॥ ६० ॥ जो स सार स न प्र सार हे ॥ प्र सार हो ता प नी च
र व लु सार द न ॥ का का म ने का सी को वा स
न को स ग गंगा जल को स न सी व को पु ना ग र न र
ती सार द न ॥ ६० ॥ ई ती नी नान के सार स र हे त
हे ती धी स त क स न प ॥ ३ ॥ सु म ॥ ई ती स्मो त क
५७ ॥ ७४ ॥ सा लु मे प्र सार व ग ते हे त
५ ॥ तां न सु म न स ग

१. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु
 २. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु
 ३. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु
 ४. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु
 ५. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु
 ६. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु
 ७. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु
 ८. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु
 ९. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु
 १०. हा देवा नमः आ वे ले मा नमः आ मु ले मु ले मु

य मंगलान देवलो क जे चंड हारु वाका दी न र ह
लो ग मा ला श्री ग ग म ग लान डर ने वी य मा ने ड मी २
चरे वी जिया कडु ओ न स से श्री हनु मा ने ओ डर ह मी स मा
~~ले च म~~ हाय सुती : चापडा से ता गु द्वा श्री गु
जे सा री मा ३ श्री हनु मा न डर ह वी य मा ने ड मी ४
हाडे जी ता ड र ह मा ज से सा मा त श्री मा हा ल द मी ५ डर वी जी
ता गु द्वा म ह ने हां छुरे सा म वी य मा ल श्री मा हा ल द मी डर
ह म वी गु मा ल द मी ॥ ५ ॥ हाडे श्री रा त्र य श्री वि रे नी त्र म
हा हाडे व र ह म ह द्या म ह ने हां दो न सं मा वा य ल ॥ ६ ॥
मा हा ल श्री ड र ह ल वी य मा ल अ शा ॥ ६ ॥ ॥ ॥ हाडे ल
ह त द मी ह से वा वा ने सं रा तु त मा गु द्वा के डु के ने दे
गु द्वा गु ला गु ला के डु ने ता ता हा ये ॥ ७ ॥ श्री कु का व
दु पा वे मा ची ने ॥ ८ ॥ द्य ल त ॥ ८ ॥ के दे गु ला ची न वा ने
ल श्री फ ले रो ह धा ने ॥ ९ ॥ मा ज मा डु वे ले वी द्या के ना
ह द दे ल ता हा म ॥ १० ॥ श्री कु का व के ना ची ने ॥ ११ ॥
वा गु न गु मा ल गु डु श्री रा ह व ल द म ल री ध पा ल
क का दे ल न क का व दो ह द त ता हा म ॥ १२ ॥ श्री कु का व
ने मा ची ने ॥ १३ ॥ नि ग व ह नी वी ल ज ता ड र ह
का ल न द गु ला ता ती व नु को ला ल प मी ले चो मा ह
जु ल न ले ता हा ये हा ये श्री कु का व के ना ची ने ॥ १४ ॥
ने ॥ १५ ॥ ॥ ॥ श्री मा ल प ले न द मी न ले हो सो ल मा ड मी
॥ १६ ॥ क वी म ॥ १७ ॥ श्री मा ल ॥ १८ ॥ हा दे वी त मा डे वा
इ म का म गी व ल ले दी न श्री मा ल ॥ १९ ॥ श्री मा ल ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ श्री मा ल ॥ २२ ॥ श्री मा ल ॥ २३ ॥ श्री मा ल ॥ २४ ॥ श्री मा ल ॥ २५ ॥ श्री मा ल ॥ २६ ॥ श्री मा ल ॥ २७ ॥ श्री मा ल ॥ २८ ॥ श्री मा ल ॥ २९ ॥ श्री मा ल ॥ ३० ॥ श्री मा ल ॥ ३१ ॥ श्री मा ल ॥ ३२ ॥ श्री मा ल ॥ ३३ ॥ श्री मा ल ॥ ३४ ॥ श्री मा ल ॥ ३५ ॥ श्री मा ल ॥ ३६ ॥ श्री मा ल ॥ ३७ ॥ श्री मा ल ॥ ३८ ॥ श्री मा ल ॥ ३९ ॥ श्री मा ल ॥ ४० ॥ श्री मा ल ॥ ४१ ॥ श्री मा ल ॥ ४२ ॥ श्री मा ल ॥ ४३ ॥ श्री मा ल ॥ ४४ ॥ श्री मा ल ॥ ४५ ॥ श्री मा ल ॥ ४६ ॥ श्री मा ल ॥ ४७ ॥ श्री मा ल ॥ ४८ ॥ श्री मा ल ॥ ४९ ॥ श्री मा ल ॥ ५० ॥ श्री मा ल ॥ ५१ ॥ श्री मा ल ॥ ५२ ॥ श्री मा ल ॥ ५३ ॥ श्री मा ल ॥ ५४ ॥ श्री मा ल ॥ ५५ ॥ श्री मा ल ॥ ५६ ॥ श्री मा ल ॥ ५७ ॥ श्री मा ल ॥ ५८ ॥ श्री मा ल ॥ ५९ ॥ श्री मा ल ॥ ६० ॥ श्री मा ल ॥ ६१ ॥ श्री मा ल ॥ ६२ ॥ श्री मा ल ॥ ६३ ॥ श्री मा ल ॥ ६४ ॥ श्री मा ल ॥ ६५ ॥ श्री मा ल ॥ ६६ ॥ श्री मा ल ॥ ६७ ॥ श्री मा ल ॥ ६८ ॥ श्री मा ल ॥ ६९ ॥ श्री मा ल ॥ ७० ॥ श्री मा ल ॥ ७१ ॥ श्री मा ल ॥ ७२ ॥ श्री मा ल ॥ ७३ ॥ श्री मा ल ॥ ७४ ॥ श्री मा ल ॥ ७५ ॥ श्री मा ल ॥ ७६ ॥ श्री मा ल ॥ ७७ ॥ श्री मा ल ॥ ७८ ॥ श्री मा ल ॥ ७९ ॥ श्री मा ल ॥ ८० ॥ श्री मा ल ॥ ८१ ॥ श्री मा ल ॥ ८२ ॥ श्री मा ल ॥ ८३ ॥ श्री मा ल ॥ ८४ ॥ श्री मा ल ॥ ८५ ॥ श्री मा ल ॥ ८६ ॥ श्री मा ल ॥ ८७ ॥ श्री मा ल ॥ ८८ ॥ श्री मा ल ॥ ८९ ॥ श्री मा ल ॥ ९० ॥ श्री मा ल ॥ ९१ ॥ श्री मा ल ॥ ९२ ॥ श्री मा ल ॥ ९३ ॥ श्री मा ल ॥ ९४ ॥ श्री मा ल ॥ ९५ ॥ श्री मा ल ॥ ९६ ॥ श्री मा ल ॥ ९७ ॥ श्री मा ल ॥ ९८ ॥ श्री मा ल ॥ ९९ ॥ श्री मा ल ॥ १०० ॥ श्री मा ल ॥

[illegible]

This image shows a single, heavily aged and stained page from an old manuscript. The paper is a mottled brown color with numerous dark spots and stains. Faint, handwritten text in a cursive script is visible across the page, but it is largely illegible due to fading and the condition of the paper. The text appears to be written in a dark ink or dye. The edges of the page are irregular and worn.

This image shows a close-up of a piece of aged, yellowed paper. The paper has a textured, fibrous appearance with visible creases and some minor discoloration or foxing. Faint, dark, and illegible markings are visible across the surface, possibly remnants of text or drawings that have faded or been obscured by the paper's texture and age.

This image shows a close-up of a piece of old, weathered paper. The paper is a light tan or yellowish-brown color, showing significant signs of age such as creases, wrinkles, and uneven discoloration. Faint, dark ink markings are visible across the surface, appearing as ghostly outlines of text or drawings, but they are too faded and blurry to be legible. The texture of the paper looks rough and fibrous.